वर्ष : 34 | अंक : 263 | मुंबई, रविवार, 30 नवंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

आज चक्रवात 'दित्वा' की दस्तक

एजेंसी | विशाखापत्तनम

चक्रवात 'दित्वा' के कारण श्रीलंका में अब तक कम से कम 123 लोगों की मौत हो गई है और 130 लोग गायब हैं। इस चक्रवात ने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है और इस वजह से बाढ़ और भूस्खलन के हालात पैदा हो गए हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि यह चक्रवात रविवार को भारत में दस्तक दे सकता है और थोड़ा और तेज हो सकता है। आईएमडी ने 29 से 30 नवंबर तक भारी बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी ने अगले दो दिनों तक तमिलनाडु, दक्षिण आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने बहुत ज्यादा बारिश की संभावना के कारण कुड्डालोर, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू और पुडुचेरी के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी ने अगले दो दिनों तक तमिलनाडु, दक्षिण आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में भारी से बहुत भारी बारिश होने की चेतावनी दी

6,000 राहत शिविर बनाए गए

रामचंद्रन ने कहा कि 16 जानवर मारे गए हैं और 24 झुग्गियों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'फिलहाल बारिश से कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा है लेकिन राज्य सरकार लगातार स्थिति पर नजर रख रही है और बचाव एवं राहत कार्यों के लिए कई टीम तैयार हैं।' सरकार ने लगभग 6,000 राहत शिविर बनाए हैं। अधिकारियों ने तेज हवाओं और भारी बारिश की चेतावनी देते हुए लोगों से घरों के अंदर रहने की अपील की है। पर्यटकों को भी एहतियात के तौर पर पंबन द्वीप के दक्षिण-पूर्वी सिरे के पास स्थित धनुषकोडी जाने से बचने की सलाह दी गई है।

पीएम मोदी ने जताई संवेदना

"प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में हुई तबाही के मद्देनजर संवेदना व्यक्त की है। भारत की ओर से जरूरी खाद्य और राहत सामग्री भेजी गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने और अधिक सहायता देने का वादा किया है।

चक्रवात दित्वा को लेकर मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

खराब मौसम की वजह से तमिलनाडु के कई जिलों में कुल 54 उड़ानों को रद्द कर दिया गया है। एयर इंडिया ने भी इस मामले में एडवाइजरी जारी की है और कहा है कि कुछ उड़ानों पर इसका असर हो सकता है। चक्रवात 'दित्वा' के कारण शनिवार को तटीय क्षेत्रों और कावेरी डेल्टा के जिलों में भारी बारिश हुई। सबसे अधिक असर रामनाथपुरम और नागपट्टिनम जिलों पर पड़ा। लगातार बारिश और तेज हवाओं की वजह से रामेश्वरम में दूसरे दिन भी सामान्य जनजीवन प्रभावित रहा। हालात से निपटने के लिए 28 रिस्पांस टीमें अलर्ट मोड पर हैं। एक अफसर ने बताया कि नागपट्टिनम में भारी बारिश के दौरान कई पेड़ गिर गए। राज्य के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री रामचंद्रन ने कहा कि चक्रवात 'दित्वा' को लेकर सरकार युद्धस्तर पर बचाव और राहत कार्य शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। रामचंद्रन ने कहा, 'एसडीआरएफ और एनडीआरएफ सहित लगभग 28 डिजास्टर रिस्पांस टीम तैयार हैं। हम अन्य राज्यों से 10 और टीम को हवाई मार्ग से लाने की योजना बना रहे हैं। वायु सेना और तटरक्षक बल को भी सतर्क कर दिया गया है। इसके अलावा, कल जिलों में निगरानी दल भेजे जाएंगे।'

2.19 लाख से अधिक लोग प्रभावित

हसलाका क्षेत्र में याहंगला पर्वत के पास हुए भीषण भूस्खलन में पांच शव बरामद हुए हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के अनुसार, 16 नवंबर से शुरू हुई यह आपदा अब तक 63,000 से अधिक परिवारों यानी 2.19 लाख से अधिक लोगों को प्रभावित कर चुकी है। कई इलाकों में भूस्खलन का खतरा अभी भी बना हुआ है। सरकार ने विदेशों में बसे श्रीलंकाई नागरिकों और अन्य देशों के लोगों से राहत कार्यों में सहयोग का आग्रह किया है। इसके लिए बैंक खाते का विवरण विदेश मिशनों में उपलब्ध कराया गया है।

भारत का आपरेशन सागर बंधु

इस बीच, भारत ने 'ऑपरेशन सागर बंधु' के तहत श्रीलंका को तुरंत सहायता भेजी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरी द्वारा राहत सामग्री कोलंबो पहुंचा दी गई है और आगे की सहायता भी भेजी जा रही है।

ब्रीफ न्यूज़

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक आज

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इसके पहले केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि रविवार को सर्वदलीय बैठक होगी, जिसमें सरकार सभी राजनीतिक पार्टियों की बात सुनेगी। रिजिजू सर्वदलीय बैठक के दौरान दोनों सदनों के सदस्यों से मिलेंगे। बैठक में सरकार लोकसभा और राज्यसभा के कामकाज को ठीक से चलाने के लिए सभी राजनीतिक पार्टियों से सहयोग मांगेगी। शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। संसद के शीतकालीन सत्र में कई जरूरी कानूनों पर चर्चा और उन्हें पास कराने की योजना है। बताया जाता है कि सरकार शीतकालीन सत्र की शुरुआत 'वंदे मातरम्' पर पूरे दिन की चर्चा से करना चाहती है, क्योंकि देश इस राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है।

बच्ची के दुष्कर्म-हत्या मामले में उज्ज्वल निकम सरकारी वकील नियुक्त

नासिक। महाराष्ट्र सरकार ने नासिक के मालेगांव तालुका के डोंगराले इलाके में चार साल की बच्ची के दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रसिद्ध अधिवक्ता उज्ज्वल निकम को विशेष सरकारी वकील नियुक्त किया है। यह वारदात 16 नवंबर को सामने आई थी। बच्ची का शव मिलने के बाद पूरे राज्य में भारी आक्रोश फैल गया था, जिसके चलते कई स्थानों पर प्रदर्शन और कैंडल मार्च हुए। पुलिस ने इस मामले में विजय खैरनार को गिरफ्तार किया है। अदालत ने उसे एक दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा है। मामले की सुनवाई मालेगांव अतिरिक्त सत्र न्यायालय में चल रही है।

मंत्री के बयान पर सपकाल की कड़ी आपत्ति

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने राज्य में सत्तारूढ़ 'महायुति' गठबंधन की आलोचना करते हुए शनिवार को दावा किया कि एक मंत्री द्वारा मतदाताओं से सार्वजनिक रूप से यह अपील करना कि ''किसी का भी पैसा ले लो, लेकिन वोट हमें दो'' वोट खरीदने की बात स्वीकार करने के समान है। सपकाल ने बुलढाणा में संवाददाताओं से कहा कि इसने सत्तारूढ़ गठबंधन की लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उपेक्षा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत गठबंधन की 'वोट के लिए नकदी वाली राजनीतिक संस्कृति' को भी उजागर किया है। सपकाल ने दावा किया, 'अगर मंत्री खुलेआम इस तरह के बयान दे रहे हैं, तो यह कांग्रेस और राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के आरोपों को पुष्ट करता है।' स्थानीय निकाय चुनावों के लिए सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राकांपा (एसपी) वाले महा विकास आघाडी (एमवीए) के भीतर टकराव की खबरों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे चुनाव अनिवार्य रूप से जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं द्वारा संचालित होते हैं, जिनमें से कई अपने बल पर चुनाव लड़ना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा और आयोग की दुविधा

अधर में मनपा चुनाव

- फरवरी में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं होने के कारण जनवरी में चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण
- राज्य चुनाव आयोग समय सीमा को बढ़ाने की कोशिश कर रहा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव को लेकर शहर के राजनीतिक हलकों और आम जनता में उत्सुकता बढ़ी हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने सभी लोकल बॉडी चुनाव 31 जनवरी 2026 तक कराने का निर्देश दिया है, लेकिन राज्य चुनाव आयोग इस समय सीमा को बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। फरवरी में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं होने के कारण जनवरी में चुनाव कराना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

ओबीसी आरक्षण पर स्पष्टता के बाद चुनाव का रास्ता खुला

ओबीसी आरक्षण विवाद के चलते राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव टल रहे थे। अब सुप्रीम कोर्ट के ताज़ा निर्देशों के बाद 50% आरक्षण की सीमा के भीतर चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि कानूनी प्रक्रियाओं के चलते चुनाव शेड्यूल में लगभग दो सप्ताह की देरी हो चुकी है। वार्ड-वार अंतिम मतदाता सूची 23 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी।

परीक्षाओं से पहले चुनाव कराने की तैयारी

राज्य में 12वीं परीक्षा 10 फरवरी से और उसके बाद 10वीं परीक्षा शुरू होगी। ऐसे में अगर चुनाव फरवरी के बाद आयोजित किए जाते हैं, तो वे सीधे अप्रैल-मई में जा सकते हैं। इसीलिए चुनाव आयोग कोशिश कर रहा है कि फरवरी की शुरुआत में ही चुनाव संपन्न हो जाएं, ताकि परीक्षाओं और चुनावी प्रक्रिया के बीच टकराव न हो।

इन परिस्थितियों में कब हो सकते हैं बीएमसी चुनाव?

सभी परिस्थितियों को देखते हुए, आयोग इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि बीएमसी चुनाव फरवरी की शुरुआत में कराए जाने की पूरी संभावना है। जनवरी की समय सीमा और फरवरी की बोर्ड परीक्षाओं के बीच यही अवधि सबसे उपयुक्त मानी जा रही है।

समय सीमा बढ़ाने पर विचार

राज्य चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अदालत में सुनवाई के कारण चुनाव कार्यक्रम में पहले से दो सप्ताह की देरी हो चुकी है। इस देरी की भरपाई करने के लिए आयोग सुप्रीम कोर्ट से समय सीमा बढ़ाने की अनुरोध पर विचार कर रहा है, ताकि चुनाव और परीक्षा दोनों शांति से आयोजित हो सकें।

महाराष्ट्र नगर परिषद चुनाव

कांग्रेस 158 अध्यक्ष पदों पर लड़ेगी चुनाव

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कांग्रेस ने शनिवार को घोषणा की कि वह महाराष्ट्र में होने वाले नगर परिषद चुनावों में 288 अध्यक्ष पदों में से 158 पदों पर खुद चुनाव लड़ेगी। इन पदों के लिए दो दिसंबर को मतदान होगा। पार्टी के पदाधिकारी ने बताया कि शेष पदों पर सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया गया है। कांग्रेस 41 नगर परिषद अध्यक्ष पद स्थानीय संगठनों के साथ गठबंधन में लड़ रही है, जबकि अन्य पदों पर वह शिवसेना (उबाठा), राकांपा (शप) और वंचित बहुजन आघाडी के साथ समझौते के तहत चुनाव मैदान में है। सभी दल मिलकर महा विकास आघाडी का हिस्सा हैं।

स्थानीय और महा विकास आघाडी सहयोगियों के साथ गठबंधन

दो दिसंबर को मतदान, 1.07 करोड़ मतदाता होंगे शामिल

राज्य में 246 नगर परिषदों और 42 नगर पंचायतों के लिए 2 दिसंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 3 दिसंबर को होगी। इस चुनाव में 1.07 करोड़ से अधिक मतदाता 6,859 सदस्यों और 288 नगर परिषद अध्यक्षों का चयन करेंगे। मतदान के लिए कुल 13,355 मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

लातूर में कांग्रेस नेताओं का सत्तारूढ़ दलों की ओर रुख

इस बीच चुनाव से पहले लातूर में कांग्रेस को झटके लगे हैं। कई स्थानीय नेता पार्टी छोड़कर सत्तारूढ़ दलों में शामिल हो गए हैं। पूर्व विधायक त्रयम्बक भिसे, पूर्व महापौर लक्ष्मण कांबले, पूर्व पार्षद गिरीश पाटिल और जिला बैंक के पूर्व निदेशक नाथसिंह देशमुख भाजपा में चले गए। वहीं पूर्व महापौर विक्रांत गोजमगुंडे अजित पवार की राकांपा में शामिल हुए।

'पाकिस्तान से मिली धमकियां'

अनमोल बिश्नोई मामले में जज ने पहली बार NIA मुख्यालय में सुनवाई की

एजेंसी | नई दिल्ली

शनिवार को एक विशेष एनआईए जज ने गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई के खिलाफ सुनवाई एनआईए मुख्यालय में की, जो कि ऐतिहासिक है। यह सुनवाई नियमित पटियाला हाउस कोर्ट में नहीं हुई। अनमोल बिश्नोई, उर्फ भानू, ने शुक्रवार शाम को कोर्ट में एक याचिका दायर की थी, जबकि उनकी 11 दिनों की एनआईए कस्टडी खत्म होने वाली थी। उनकी याचिका में पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर शहजाद भट्टी से जान का खतरा बताया गया था। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का छोटा भाई अनमोल अमेरिका से निष्कासित होकर आया, जिसके बाद एनआईए ने उसे हिरासत में लिया।

आवारा कुत्तों के अंगों को निकाल रहे तस्कर, शिवसेना सांसद ने की जांच की मांग

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

आवारा कुत्तों और बिल्लियों को पकड़कर उनके अंगों को अवैध रूप से निकालने का गंभीर मामला सामने आया है। शिवसेना के सांसद नरेश म्हास्के ने इस मामले पर गहरी चिंता व्यक्त की है और आरोप लगाया है कि कुछ संगठित गिरोह इन जानवरों को पकड़कर उनके अंगों की तस्करी कर रहे हैं। सांसद ने इसे संवेदनशील मुद्दा बताते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है। ठाणे नगर निगम के एक कार्यक्रम में बोले गए अपने संबोधन में सांसद म्हास्के ने दावा किया कि ये गिरोह स्थानीय पशु चिकित्सा केंद्रों और कुछ निजी अस्पतालों की मदद से यह अवैध गतिविधि चला रहे हैं।

नगर निगम से जांच और सुरक्षा के सख्त निर्देश

सांसद नरेश म्हास्के ने ठाणे नगर निगम अधिकारियों को इस पूरे मामले की गहराई से जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में आवारा पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाए और आरोपियों के खिलाफ तत्काल सख्त कदम उठाए जाएं।

नंबर 1 और 2, अब दोनों एनडीए के साथ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले विपक्षी महा विकास अघाड़ी (MVA) को जोरदार झटका लगा है। सत्तारूढ़ महायुति (NDA) ने पिछले विधानसभा चुनावों में उपविजेता रहे 43 नेताओं को अपने खेमे में शामिल कर लिया है। इनमें सबसे अधिक संख्या भाजपा में जाने वालों की है, जबकि तीन निर्दलीय उपविजेताओं ने भी पार्टी का दामन थाम लिया। यह कदम ऐसे समय में आया है जब MVA में तालमेल की कमी और उम्मीदवार चयन पर अस्पष्टता देखी जा रही है।

स्थानीय चुनावों से पहले महाराष्ट्र में नया खेला, MVA को झटका

सबसे अधिक नुकसान उद्धव ठाकरे की शिवसेना को

इस दल-बदल का सबसे बड़ा असर उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) पर पड़ा है, जिसके 19 उपविजेताओं ने NDA का रुख किया है। दूसरे नंबर पर अजित पवार की NCP का नुकसान हुआ है जिसके 13 उपविजेता महायुति में शामिल हुए। कांग्रेस के 10 उम्मीदवारों ने भी पाला बदला है, जबकि एक उपविजेता शेतकारी कामगार पक्ष (शेकपा) से है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार कुल 46 उपविजेताओं में से 26 भाजपा, 13 NCP (अजित पवार) और 7 एकनाथ शिंदे शिवसेना में शामिल हुए हैं।

इंडियन मुजाहिदीन को फिर से सक्रिय करने की कोशिश

आईबी के अधिकारियों का दावा, आतंक से जुड़ी गतिविधियों में आया बदलाव

एजेंसी | नई दिल्ली

इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अनुसार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत में आतंकी मॉड्यूल तैयार करने के लिए सक्रिय हो रही है। हाल ही में दिल्ली के लाल किला के पास हुए धमाके को इसी बदलाव का संकेत माना जा रहा है। नई रणनीतियों के तहत भारत में आतंकवाद को फिर से बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) पर प्रतिबंध के बाद रियाज और इकबाल भटकल ने पाकिस्तान में रहकर इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) की नींव रखी थी। आईएसआई अब इन दोनों भाइयों को भारत में आईएम को नए नाम और नए मॉड्यूल के तहत पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है।

भटकल बंधु और आईएम का पुनरुत्थान

पीएफआई के साथ नेटवर्क मजबूत करने की योजना

आईएसआई अब प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को भी नेटवर्क में शामिल करने की कोशिश कर रही है। योजना के तहत आईएम उत्तर भारत में सक्रिय रहेगा, जबकि पीएफआई को दक्षिण भारत में जिम्मेदारी दी जा सकती है। दोनों संगठनों के बीच पुराने संबंध रहे हैं, और सिमी पर प्रतिबंध के बाद पीएफआई ने आईएम के कई मॉड्यूल में मदद भी की थी।

जम्मू से फोकस हटाकर भारत भर में गतिविधियाँ

सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि आईएसआई का लक्ष्य जम्मू-कश्मीर से ध्यान हटाकर भारत के अन्य हिस्सों में आतंकवाद फैलाना है। जैसे ही देश के अन्य हिस्सों में आतंकी घटनाओं पर ध्यान जाएगा, आईएसआई फिर से लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों को जम्मू-कश्मीर में सक्रिय करने की कोशिश करेगी।

सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता

देशभर में नए आतंकी मॉड्यूल की संभावनाओं को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता और निगरानी बढ़ा दी है। अधिकारी चेतावनी दे रहे हैं कि आईएसआई किसी भी तरह भारत में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर सकता है। पाकिस्तान की रणनीति हमेशा से जम्मू-कश्मीर को उथल-पुथल कर अपने घरेलू मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने की रही है।

न्यूज़ ब्रीफ

लेबर कॉन्ट्रैक्टर के खाते से 7.50 लाख रुपए उड़े

पालघर। वाडा क्षेत्र में साइबर ठगों ने लेबर कॉन्ट्रैक्टर संतोष चंद्रकांत गोले (45) के मोबाइल को हैक कर उनके यूनियन बैंक, कुडुस शाखा के खाते से 7,50,000 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए। अज्ञात आरोपी ने पीड़ित के मोबाइल पर भेजी गई अएपीके फाइल के माध्यम से नंबर 8806566333 हैक कर बैंक खाता 59790201001213४ से रकम जम्मू-कश्मीर बैंक सहित अन्य खाते में ट्रांसफर कर दी। वाडा पुलिस ने धारा 318(4), 319(2) व आईटी एक्ट 66(सी) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

एलईडी फैक्टरी में भीषण आग कोई जनहानि नहीं

पालघर। पालघर में एक एलईडी फैक्टरी में शुक्रवार रात को भीषण आग लग गई। हालांकि, घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल कर्मियों ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग इतनी भीषण थी कि बुझाने के लिए तीन फायर इंजन लगाने पड़े। वसई विरार नगर निगम के दमकल अधिकारी ने बताया कि आग शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे लगी थी। मौके पर केवल दो सुरक्षाकर्मी थे। इसके चलते कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कई लाखों रुपये का सामान और मशीनरी जलकर खाक हो गई। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

शिवसेना पदाधिकारी की चाकू मारकर हत्या

टिटवाला। टिटवाला में शिवसेना के एक पदाधिकारी की अज्ञात हमलावरों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार घटना शुक्रवार देर रात कल्याण–मुरबाड रोड पर मामनोली गांव के पास हुई, जब 4–5 लोगों ने उनकी गाड़ी रोककर उन पर कई बार चाकू से हमला किया।

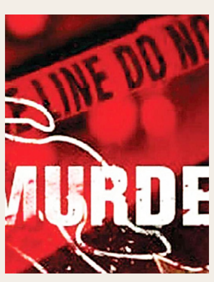

उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान किरण घोरड (35) के रूप में हुई है। उनके सहयोगियों ने बताया कि वह गोवेली गांव के निवासी थे और शिवसेना में सक्रिय भूमिका निभाते थे। उनकी हत्या से स्थानीय राजनीतिक हलकों में तनाव का माहौल है।कल्याण तालुका पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हत्या किसी पुरानी रंजिश, जमीन विवाद या संपत्ति विवाद का नतीजा है, या फिर इसके पीछे कोई राजनीतिक कारण है, क्योंकि स्थानीय निकाय चुनाव नजदीक हैं। पुलिस ने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

5,000 करोड़ के ज़मीन घोटाले की जांच तेज

राज्य सरकार ने बनाई पांच-सदस्यीय जांच समिति

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने नवी मुंबई में कथित 5,000 करोड़ रुपये के ज़मीन घोटाले की जांच के लिए कोंकण डिविजनल कमिश्नर की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है। समिति में ठाणे के चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स, रायगढ़ के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर, सिडको-III के जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर और अलीबाग के डिप्टी कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स को सदस्य बनाया गया है। इसके साथ ही सिडको (ठाणे/रायगढ़) के चीफ लैंड एंड सर्वे ऑफिसर को भी सदस्य नियुक्त किया गया है।

जमीन कौड़ियों के भाव बेची गई: रोहित पवार

राकांपा एसपी नेता और विधायक रोहित पवार ने गंभीर आरोप लगाए हैं कि नवी मुंबई में करोड़ों की जमीन को मामूली कीमत में बिवलकर परिवार को सौंपा गया। उनका आरोप है कि जब एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे और संजय शिरसाट सिडको के चेयरमैन, तब पद का दुरुपयोग करते हुए यह सौदा किया गया।

जांच का दायरा: मालिकाना हक और फॉरेस्ट विभाग के हित

सूत्रों के अनुसार समिति दापोली, कोपर, तारघर, सोनखर और उल्वे क्षेत्र में जमीन के मालिकाना हक, ट्रांसफर प्रक्रिया और संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इसके अलावा समिति को यह भी देखना है कि इस जमीन मामले में वन विभाग के हितों को कहीं नुकसान तो नहीं पहुंचा। रिपोर्ट दो माह में राज्य सरकार को सौंपनी है।

संजय शिरसाट पर घोटाले में भूमिका का आरोप

रोहित पवार ने कहा कि सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने सिडको के अध्यक्ष पद पर रहते हुए इस बड़े घोटाले को अंजाम दिया। पवार का कहना है कि सरकारी जमीन को अवैध तरीके से निजी लाभ के लिए बेहद कम दामों में बेच दिया गया, जिससे राज्य को करोड़ों का नुकसान हुआ।

पवार की मांग : स्वतंत्र जांच और मंत्री का इस्तीफा

विधायक रोहित पवार ने समिति गठन का स्वागत किया, लेकिन इसके साथ ही एक रिटायर्ड जज की देखरेख में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मंत्री संजय शिरसाट का तत्काल इस्तीफा लिया जाना चाहिए, ताकि जांच पर किसी भी तरह का प्रभाव न पड़े।

दोपहिया वाहन की टक्कर से गई 10 वर्षीय छात्र की जान

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

अंजुरफाटा क्षेत्र में श्री हालारी विशा ओसवाल स्कूल से घर लौट रहे 10 वर्षीय छात्र श्रीनिवास नितिन कदम को एक नाबालिग दोपहिया चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल हुए श्रीनिवास की शुक्रवार को ठाणे के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस हृदयविदारक हादसे से पूरे इलाके में शोक और आक्रोश फैल गया है।

स्कूल से बाहर निकलते समय हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार, श्रीनिवास चौथी कक्षा का छात्र था और गुरुवार शाम स्कूल की छुट्टी के बाद अपने साथियों के साथ मुख्य द्वार से बाहर निकलकर ऑटो की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान तडाली रोड की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही एक बाइक ने उसे सामने से टक्कर मार दी। बाइक एक नाबालिग लड़का चला रहा था और उस पर तीन युवक सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि श्रीनिवास मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गया ।

नाबालिग चालक पर केस

दुर्घटना के बाद नारपोली पुलिस ने नाबालिग बाइक सवार गौरव कैलास सोनवणे और उसके पिता कैलास सोनवणे के खिलाफ मामला दर्ज किया है, क्योंकि उन्होंने नाबालिग बेटे को बाइक चलाने दी थी। हादसे के बाद स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों में रोष है। घटना के बाद स्कूल प्रशासन ने गेट के बाहर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा गार्ड की नियुक्ति कर दी। अभिभावकों का कहना है कि यदि पहले से सुरक्षा व्यवस्था होती, तो यह दुर्घटना टाली जा सकती थी।

मोटरसाइकिल हादसे में मृतक के परिवार को 36.9 लाख रुपये मुआवजा

ठाणे। ठाणे के मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2017 में हुए एक सड़क हादसे में मारे गए 52 वर्षीय जनार्दन केने के परिवार को 36.9 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। एमएसीटी सदस्य के.पी. श्रीखंडे ने दोषी वाहन मालिक को निर्देश दिया कि याचिका दायर करने की तारीख से मुआवजा राशि पर नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ भुगतान किया जाए।

29 जनवरी 2017 को पडघा क्षेत्र में जनार्दन केने अपनी मोटरसाइकिल पर जा रहे थे, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अन्य दोपहिया वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल केने को अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसी दिन उनकी मौत हो गई। एमएसीटी ने यह आदेश 25 नवंबर को सुनाया, जिसकी प्रति शनिवार को जारी की गई। न्यायाधिकरण के इस फैसले से मृतक के परिवार को आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि हादसे में परिवार का मुख्य सहारा छिन गया था।

दिव्यांग नागरिकों से अभद्रता पर आक्रोश

- मनपा मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन
- दिव्यांगों का अपमान करने वाले सुरक्षा गार्ड ने मांगी माफी

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर महानगरपालिका के मुख्य द्वार पर दिव्यांग नागरिकों को रोककर उनसे अभद्र भाषा में बात करने की घटना सामने आने के बाद शहर में तीव्र आक्रोश फैल गया। प्रहार जनशक्ति पक्ष और दिव्यांग क्रांति संगठन ने मानवाधिकारों और दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के उल्लंघन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ठाणे जिला अध्यक्ष एडवोकेट स्वप्निल पाटिल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने संबंधित सुरक्षा गार्ड के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज करने की मांग उठाई। बड़ी संख्या में लोग मनपा मुख्यालय के बाहर जमा हुए और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सुरक्षा गार्ड की माफ़ी के बाद प्रदर्शन समाप्त

विरोध के दौरान मनपा उपायुक्त स्नेहा कार्पे ने प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर घटना पर खेद व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी। इसी बीच संबंधित सुरक्षा गार्ड ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए प्रदर्शनकारियों से सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगी। प्रशासन के आश्वासन और गार्ड की माफ़ी के बाद प्रदर्शन शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त कर दिया गया। इस घटना ने स्पष्ट संदेश दिया कि दिव्यांग नागरिकों के सम्मान से खिलवाड़ किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नीलेश नारायण राणे के खिलाफ मामला दर्ज

- जबरन घर में घुसने और बदनाम करने का आरोप

मालवण। शिवसेना शिंदे समूह के विधायक नीलेश नारायण राणे के खिलाफ मालवण पुलिस स्टेशन में जबरन घर में घुसने और बदनाम करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मामला गंभीर होने के कारण इसकी गहन जांच शुरू कर दी गई है। मामला दर्ज होने के बाद नीलेश राणे ने पत्रकारों से कहा कि जिस व्यक्ति पर मामला दर्ज होना चाहिए था, उसे बचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिकायत उन्होंने की, लेकिन FIR उन पर दर्ज कर दी गई। राणे ने यह भी स्पष्ट किया कि इससे वे डरने या पीछे हटने वाले नहीं हैं और उनकी आवाज इस तरह की कार्रवाई से दबाई नहीं जा सकती। यह मामला तब सामने आया जब सिंधुदुर्ग जिले के मालवण में नीलेश राणे ने कथित तौर पर 'स्टिंग ऑपरेशन' करते हुए विजय केनवाडेकर के घर में रात के समय प्रवेश किया था। इस दौरान वहां 25 लाख रुपये नकद मिले थे।

दोनों पक्षों के आरोप–प्रत्यारोप

नीलेश राणे का दावा था कि ये 25 लाख रुपये नगर निकाय चुनाव में मतदाताओं को बांटने के लिए रखे गए थे। वहीं विजय केनवाडेकर ने सफाई देते हुए कहा कि यह नकद रकम उनके व्यावसायिक लेनदेन के लिए रखी गई थी। इस घटना के बाद केनवाडेकर ने राणे के खिलाफ मालवण पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी।

एफआईआर और आगे की कार्रवाई

उसी शिकायत के आधार पर शनिवार को पुलिस ने राणे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। इसके साथ ही मालवण पुलिस ने पूछताछ के लिए उन्हें नोटिस जारी किया है। पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाइयाँ साक्ष्यों के आधार पर की जाएँगी।

फर्जी ग्राहक बनकर 27 लाख की ठगी

- शातिर ठग गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

भाईंदर (प.) में रहने वाले जौहरी अशोक जैन अपना फ्लैट बेचना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने नो ब्रोकर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फ्लैट बेचने का विज्ञापन डाला। इसी दौरान उनकी पहचान तारकेश्वर पांडे उर्फ रोहित नामक व्यक्ति से हुई, जिसने खुद को संभावित खरीदार बताया।

अभियुक्त ने फ्लैट खरीदने के नाम पर शिकायतकर्ता से मेल-जोल बढ़ाया और उनका विश्वास जीत लिया। सौदा तय होने पर उसने 66 लाख रुपये का चेक अग्रिम राशि के तौर पर दिया। अगले ही दिन वह शिकायतकर्ता की दुकान पर पहुंचा और चेक की गारंटी दिखाकर 249.350 ग्राम सोने के आभूषण खरीद लिए।

चेक का स्टॉप पेमेंट कर हुआ फरार

सोना लेने के तुरंत बाद अभियुक्त ने अपने बैंक में चेक का स्टॉप पेमेंट करवा दिया और फरार हो गया। फ्लैट तो नहीं बिका, उल्टा सोना भी खो बैठने से परेशान जौहरी ने 16 सितंबर को भाईंदर पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई।

क्राइम ब्रांच ने शुरू की खोजबीन

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर क्राइम ब्रांच यूनिट 1 के पुलिस निरीक्षक सुशीलकुमार शिंदे ने जांच शुरू की। आरोपी लगातार दिल्ली, नोएडा और मुंबई के अलग-अलग स्थानों पर अपने ठिकाने बदलकर पुलिस को चकमा देता रहा।

27 नवंबर को आरोपी धराया

गोपनीय सूचना और तकनीकी जांच की मदद से क्राइम ब्रांच ने आखिरकार 27 नवंबर को फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोड़े ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पेशेवर ठग है।मीरा रोड और भाईंदर पुलिस थानों में वह वांछित था। इसके अलावा मुंबई और ठाणे के विभिन्न थानों में उसके खिलाफ कुल 7 मामले पहले से दर्ज हैं।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिसकर्मी गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में 19 वर्षीय स्वाति चाते ने 27 नवंबर को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पीड़िता की मां की शिकायत के अनुसार, स्वाति को शादी के बाद से ही उसके पति प्रभु चाते और ससुराल वालों द्वारा मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी जाती थीं। पति उस पर चरित्र को लेकर शक करता था और यहां तक कि अजन्मे बच्चे की पितृत्व पर भी संदेह जताता था। स्वाति की शादी इसी साल अप्रैल में हुई थी। शिकायत में बताया गया कि पति शराब पीकर घर आता और उसके साथ मारपीट करता। शादी के कुछ महीनों बाद दंपति मीरा रोड में रहने लगे, लेकिन वहां भी अत्याचार जारी रहा। पति उसे मेडिकल जांच के लिए मजबूर करता था ताकि बच्चे की पितृत्व की पुष्टि की जा सके। 27 नवंबर को स्वाति ने अपनी मां से फोन पर कहा कि वह अब और यातना सहन नहीं कर सकती, जिसके बाद उसने आत्महत्या कर ली। मीरा रोड पुलिस ने पति प्रभु चाते सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों में उसके पिता भगवान चाते (63), मां रंजना (55) और बहन पुष्पा सनप (30) शामिल हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर घटना की गहन जांच शुरू कर दी है।

छुड़ाए गए बंधुआ मजदूरी कर रहे 10 आदिवासी परिवार

पालघर। पालघर जिले में सामाजिक कार्यकर्ताओं के हस्तक्षेप के बाद 10 आदिवासी कातकरी परिवारों को 'बयाना' व्यवस्था के तहत ईंट भट्ठे पर काम करने से छुड़ाया गया। 'बयाना' वह अग्रिम राशि होती है, जो गरीब मजदूर किसी काम पर जाने से पहले उधारदाताओं से लेते हैं, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यही व्यवस्था आगे चलकर बंधुआ मजदूरी की जड़ बन जाती है। 'श्रमजीवी संगठन' के पदाधिकारियों बलराम भोईर और विजय जाधव ने बताया कि संगठन की पहल के बाद पालघर के तकवाहल के रिंजदपाड़ा के 10 परिवारों ने ईंट भट्ठा मालिक के साथ जाने से मना कर दिया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मजदूर बढ़ते कर्ज और बयाना व्यवस्था के कारण असुरक्षित स्थिति में धकेले जा रहे थे।

ईंट भट्ठा मालिक ने किया हलफनामा अग्रिम राशि की माफी

पदाधिकारियों ने बताया कि ईंट भट्ठा मालिक ने एक हलफनामे पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें माना गया है कि बंधुआ मजदूरी प्रथा (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के तहत 'बयाना' अवैध है। हलफनामे में अग्रिम राशि माफ करने, कानूनी दरों पर सिर्फ नकद भुगतान, किसी भी तरह का दबाव या कटौती न करने तथा संगठन की निगरानी में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने का वादा किया गया है। इसमें सभी मजदूरों के नाम और पते भी दर्ज किए गए हैं।

छंटाई के नाम पर कर दी पेड़ों की कटाई

- पर्यावरण प्रेमियों का एमबीएमसी के खिलाफ फूटा गुस्सा

विनय दूबे | भाईंदर

एमबीएमसी मुख्यालय के ठीक पीछे सहकार ज्योत इमारत के सामने खड़े पुराने और हरे-भरे पेड़ों की छंटाई में नियमों का उल्लंघन किए जाने से स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों में नाराज़गी है। शिकायत है कि वर्षभर में पेड़ों की केवल एक-तिहाई छंटाई की अनुमति है, लेकिन इससे कहीं अधिक कटाई की गई।

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि मौसम भले न बदला हो, लेकिन शहर की हरियाली बदलने की साजिश रोज़ रची जा रही है। एक ओर एमबीएमसी वृक्षारोपण और जनजागरण अभियान चलाती है, वहीं दूसरी ओर शहर में पेड़ों को छंटाई के नाम पर बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। निजी सोसायटियों को केवल अपने परिसर में ही छंटाई की अनुमति दी जानी चाहिए, साथ ही सही नियमों की जानकारी देना भी विभाग की जिम्मेदारी है।

40–50 साल पुराने पीपल और नीलगिरी पेड़ काटे गए

शिकायतकर्ता रोहित सुवर्णा के अनुसार मुख्यालय के पीछे खड़े पीपल और तीन नीलगिरी के पेड़ों की उम्र लगभग 40 से 50 साल थी, जिन्हें 29 नवंबर को छंटनी के नाम पर काट दिया गया। पीपल सर्वाधिक ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों में से एक है और नीलगिरी भी ऑक्सीजन-समृद्ध प्रजाति है। बढ़ते प्रदूषण के बीच ऐसे पेड़ों को काटना अनुचित माना जा रहा है।

विभाग ने की पंचनामा कार्रवाई, अब आगे की कार्यवाही पर निगाहें

शिकायत मिलने के बाद संबंधित विभाग अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया। अब देखने वाली बात यह होगी कि एमबीएमसी आयुक्त राधाबिनोद शर्मा संबंधित दोषियों पर क्या कार्रवाई करते हैं। उद्यान विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि सहकार ज्योत सोसायटी को सशर्त छंटाई अनुमति दी गई थी, लेकिन नियमों का पालन नहीं किया गया। शिकायत मिलते ही कार्य रोक दिया गया और अब सोसायटी को नोटिस भेजा जाएगा।

सोसायटी को सड़क किनारे पेड़ों की अनुमति देना 'लापरवाही: शिकायतकर्ता

रोहित सुवर्णा ने कहा कि सड़क किनारे खड़े पेड़ों की छंटाई की अनुमति सोसायटी को देना विभाग की गंभीर लापरवाही है। नियमों के अनुसार, पेड़ों की छंटाई केवल सुप्त अवस्था में होनी चाहिए। एक वर्ष में कुल मुकुट का एक-तिहाई से अधिक छंटाई नहीं की जा सकती। केवल मृत, रोगग्रस्त या क्षतिग्रस्त शाखाएं ही हटाई जानी चाहिए। इन नियमों की अनदेखी कर पेड़ों को अत्यधिक नुकसान पहुंचाया गया है। सुवर्णा का कहना है कि नियम तोड़ने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

संपत्ति के लिए सास की हत्या, बहू गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुंबई के घाटकोपर (वेस्ट) इलाके में में स्थित हिमालय सोसाइटी में सास की हत्या कर फरार बहू को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना की छानबीन घाटकोपर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है।

संपत्ति विवाद में हत्या

इस घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिमालय सोसाइटी में बुधवार रात को 65 साल की शहनाज़ काज़ी नामक महिला की लाश उनके घर में से बरामद की गई थी। इसके बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और जांच शुरु कर दिया था। जांच के दौरान पता चला कि शहनाज अकेले ही घर पर रहती थीं, लेकिन इस घर की चाभी उनकी बहू के पास रहती थी। इसके बाद सीसीटीवी की मदद से पता चला कि बुधवार को शहनाज की बहू मुमताज़ इरफ़ान खान (50) हिमालय सोसाइटी में आई थी।

बहू ने अपराध स्वीकारा

इस जानकारी के बाद पुलिस ने मुमताज को हिरासत में लिया और पूछताछ शुरु किया। लेकिन पहले मुमताज खुद को इस हत्या के बारे में अनभिज्ञ बताया, लेकिन कड़ी पूछताछ के बाद अपना अपराध स्वीकार कर लिया। मुमताज ने पुलिस को बताया कि शहनाज के नाम पर संपत्ति थी, लेकिन वह इस संपत्ति को उन्हें नहीं देना चाहती थी। इसी वजह से बुधवार को वह अपने सास के पास आई और उनसे संपत्ति देने के लिए कहा। लेकिन शहनाज अपनी जिद पर अड़ी रही, इसी वजह से मुमताज ने अपनी सास की हत्या कर दी। इस मामले में किसी को शक न हो, इसलिए घर से गहने आदि लेकर वह फरार हो गई थी। इस मामले की गहन छानबीन जारी है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पुनर्विचार की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

युवा कांग्रेस की मुंबई इकाई ने उच्चतम न्यायालय से सात नवंबर को आवारा कुत्तों को लेकर दिए गए आदेश पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। संगठन का कहना है कि यह निर्णय लागू करना व्यवहारिक रूप से मुश्किल है और पर्याप्त सुरक्षा उपाय न होने पर यह मनुष्यों और पशुओं के बीच का संतुलन बिगाड़ सकता है।

मुंबई युवा कांग्रेस की अध्यक्ष जीनत शबरीन ने कहा कि आवारा पशुओं का मुद्दा बेहद संवेदनशील है और इसके लिए व्यापक दृष्टिकोण की जरूरत है। उनका कहना है कि अदालत का निर्देश अनजाने में समुदायों के बीच तनाव बढ़ा सकता है, खासकर उन लोगों के साथ जो पशु कल्याण के लिए सक्रिय रूप से काम करते हैं। संगठन ने सुप्रीम कोर्ट से इस निर्णय के क्रियान्वयन को फिलहाल रोकने की मांग की है।

साथ ही, सभी हितधारकों की बात सुनने के लिए मामले को संविधान पीठ के पास भेजने की अपील भी की गई है। युवा कांग्रेस का तर्क है कि इस विषय पर संवाद और वैज्ञानिक अध्ययन आवश्यक हैं। देशभर के हजारों पशु प्रेमियों ने भी अदालत को पत्र लिखकर इस आदेश पर पुनर्विचार की मांग की है। शनिवार दोपहर, शबरीन और युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के पास डाकघर पहुंचकर सुप्रीम कोर्ट को संबोधित पत्र भेजे। अपने पत्र में उन्होंने लिखा कि यह फैसला “वैज्ञानिक, चिकित्सीय और व्यावहारिक रूप से लागू करना कठिन” है।

बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ शांतिपूर्ण मोर्चा आज

कार्टर रोड पर नागरिकों का एकजुट प्रदर्शन

मुंबई। शहर में बढ़ते एयर पॉल्यूशन को देखते हुए नागरिकों ने रविवार को बांद्रा वेस्ट के कार्टर रोड प्रोमेनेड पर शांतिपूर्ण मोर्चा आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह प्रदर्शन दोपहर 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक स्केटबोर्डिंग पार्क के पास रखा गया है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की उम्मीद है।

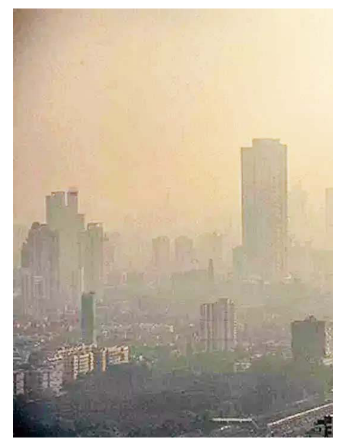

मुंबई की हवा लगातार हो रही खराब

पिछले कुछ दिनों से महानगर की हवा लगातार खराब श्रेणी में दर्ज की जा रही है। शनिवार को समीर ऐप के अनुसार मुंबई का औसत एयर इंडेक्स 120 रहा, जो 'मॉडरेट' श्रेणी में आता है। कोलाबा, मालाड, मुलुंड, पवई और सायन में हवा अपेक्षाकृत बेहतर थी, जबकि भायखला (154), चेंबूर (145), देवनार (158), विले पार्ले (127) और शिवड़ी (118) में एयर क्वालिटी और खराब पाई गई।

सर्दियों में बढ़ता प्रदूषण बना बड़ी चिंता

विभिन्न संगठनों की रिपोर्ट बताती हैं कि पिछले दो-तीन वर्षों से मुंबई में प्रदूषण स्तर लगातार बढ़ रहा है। हर साल ठंड बढ़ते ही हवा की गुणवत्ता गिरने लगती है। पिछला वर्ष भी इसी पैटर्न का साक्षी रहा, जब नवंबर से फरवरी तक शहर में प्रदूषण का स्तर खराब श्रेणी में बना रहा।

इंफ्रास्ट्रक्चर व वाहनों की धूल-दूषित हवा

विशेषज्ञों का कहना है कि मुंबई में तेजी से चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, रेजिडेंशियल और कमर्शियल निर्माण कार्यों की वजह से हवा में धूल बढ़ रही है। इसके अलावा वाहनों से निकलने वाला धुआं भी प्रदूषण का बड़ा कारण बन गया है। प्राकृतिक और मानव जनित दोनों कारण मिलकर हवा की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहे हैं।

एयर क्वालिटी इंडेक्स की मानक श्रेणियां

सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) के अनुसार 0-50 एअर क्वालिटी 'अच्छी', 51-100 'संतोषजनक', 101-200 'मॉडरेट', 201-300 'खराब', 301-400 'बहुत खराब' और 400 से अधिक 'अत्यंत खतरनाक' मानी जाती है।

1 लाख दिव्यांगों को मिलेंगे कृत्रिम अंग

मुख्यमंत्री फडणवीस के प्रयासों तथा रतन निधि फाउंडेशन के सहयोग से जीवनयापन होगा सुलभ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य में दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक जीवनयापन के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु सरकार प्रयासरत है। इसी के तहत मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रयासों से 1 लाख दिव्यांग बंधुओं को कृत्रिम अंग वितरित किए जाने वाले हैं, जिससे उनका जीवन और अधिक सुलभ होने वाला है। समाज के सभी घटकों को समान अवसर उपलब्ध कराना सरकार का ध्येय है। मुख्यमंत्री फडणवीस के प्रयासों तथा रतन निधि फाउंडेशन के सहयोग से महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में दिव्यांगों के लिए निशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक साधन वितरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस उपक्रम के माध्यम से 1 लाख दिव्यांग व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

दिव्यांग पुनर्वसन की दिशा में महत्वपूर्ण

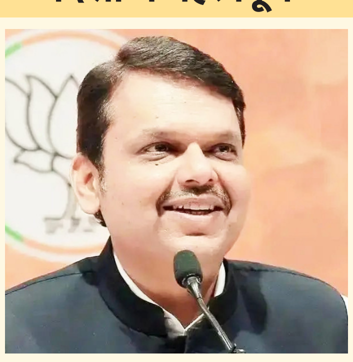

यह अभिनव प्रकल्प दिव्यांग पुनर्वसन की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा, ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण के लिए सरकार सभी स्तर पर प्रयासरत है तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से अधिक प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इस उपक्रम का उद्देश्य दिव्यांग व्यक्तियों को स्वावलंबी बनाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा में शामिल करना है। कृत्रिम हाथ-पैर, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर तथा अन्य सहायक उपकरणों का समावेश करने वाला यह वितरण कार्यक्रम राज्य में चरणबद्ध रूप से लागू किया जाएगा।

26 हजार दिव्यांगों का पुनर्वास

रतन निधि फाउंडेशन ने अब तक बीड, चंद्रपुर, जलगांव, सोलापुर, पालघर, मुंबई, गड़चिरोली, पुणे, सातारा, कोल्हापुर, रायगढ़, लातूर, नांदेड, यवतमाल, अकोला, परभणी, छत्रपति संभाजीनगर, धाराशिव और ठाणे जिलों में 29,496 सहायक उपकरण (जयपुर फुट, पोलियो कैलिपर्स, कृत्रिम हाथ व छड़ी) वितरित कर लगभग 26 हजार दिव्यांग व्यक्तियों का पुनर्वास किया है। विश्व स्तर पर लगभग 15% एवं भारत में करीब 2.2% जनसंख्या दिव्यांग है। ऐसे में रतन निधि फाउंडेशन का यह मोबिलिटी प्रकल्प दिव्यांग व्यक्तियों को सम्मानपूर्वक जीवनयापन हेतु नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

शिपिंग बिजनेस में 18 करोड़ का फ्रॉड

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कारोबार के नाम पर करोड़ों की ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने एक कथित शिपिंग रैकेट के खिलाफ FIR दर्ज की है। शिकायतकर्ता और घाटकोपर निवासी शिपिंग कारोबारी विशाल पंकज मेहता ने बताया कि आरोपियों ने हाई रिटर्न का झांसा देकर उनसे करीब 18.33 करोड़ की ठगी की। पहले चरण में समय पर भुगतान करके उनका भरोसा जीता गया, जिसके बाद बड़े निवेश की ओर बढ़ाया गया। FIR के अनुसार, आरोपियों—ALX Shipping Agencies India Pvt. Ltd. के CEO संदीप बख्शी, दुबई स्थित Aladdin Express DMCC के अली खान और विकास खान—ने दो जहाजों Leela Mombasa और Xinxinhai-2 के नाम पर बड़े पैमाने पर कंटेनर बुकिंग दिखाई। 1,400 से ज्यादा कंटेनरों की बुकिंग का दावा किया गया, लेकिन जहाज समय पर नहीं चले, शिपमेंट डिले हुए और कई माल खराब हो गए।

स्कूल सर्टिफिकेट में छात्र का नाम बदलने का आदेश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति को केवल अपना नाम पसंद न होने के आधार पर शैक्षणिक दस्तावेजों में नाम बदलने की अनुमति नहीं दी जा सकती। हालांकि, अदालत ने एक विशेष मामले में 14 साल पुरानी याचिका पर छात्र को राहत दी है, क्योंकि मामला उसकी गलती के बिना दस्तावेजी गड़बड़ी से जुड़ा था।

याचिकाकर्ता छात्र के पिता हिंदू और मां क्रिश्चियन थीं। उसके बर्थ सर्टिफिकेट में हिंदू नाम दर्ज था, जबकि स्कूल में क्रिश्चियन नाम के आधार पर प्रवेश मिला। स्कूल के कारण उसके 10वीं और 12वीं के सर्टिफिकेट में भी क्रिश्चियन नाम दर्ज हो गया। बाद में करियर में समस्याएं आने पर छात्र ने हाई कोर्ट से नाम सुधारने की मांग की।

बोर्ड का विरोध और कोर्ट की टिप्पणी

महाराष्ट्र एजुकेशन बोर्ड ने छात्र की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि ऐसा निर्णय अन्य छात्रों के लिए मिसाल बन जाएगा। लेकिन हाई कोर्ट ने कहा कि यह मामला विशेष है, क्योंकि छात्र के बर्थ सर्टिफिकेट और स्कूल दस्तावेजों में नामों का अंतर उसकी गलती नहीं था। कोर्ट ने आदेश दिया कि उसके 10वीं और 12वीं के सर्टिफिकेट में जन्म प्रमाणपत्र के अनुसार ही नाम दर्ज किया जाए।

परिवारिक कारणों से दस्तावेजों में आई गड़बड़ी

छात्र के पिता ने शादी के लिए धर्म परिवर्तन कर क्रिश्चियन नाम अपना लिया था। तलाक के बाद, बच्चे की स्कूल में एडमिशन के दौरान क्रिश्चियन नाम दर्ज हो गया। इसी वजह से स्कूल और कॉलेज के सर्टिफिकेट में भी यही नाम Continued रहा, जबकि उसका बर्थ सर्टिफिकेट हिंदू नाम वाले दस्तावेज पर आधारित था।

14 साल की कानूनी लड़ाई के बाद मिला न्याय

छात्र ने बाद में राजपत्र के माध्यम से अपने नाम को जन्म प्रमाणपत्र के अनुसार दर्ज कराया और उसी आधार पर 18 साल की उम्र में शैक्षणिक दस्तावेज सुधारने के लिए आवेदन दिया, जिसे स्कूल और बोर्ड ने स्वीकार नहीं किया। मजबूर होकर उसने 2011 में हाई कोर्ट में याचिका दायर की। अब 14 साल बाद कोर्ट ने छात्र के पक्ष में फैसला सुनाते हुए शिक्षा बोर्ड को नया सर्टिफिकेट जारी करने का आदेश दिया।

शहर गैस चैंबर बन रहा है: वर्षा गायकवाड़

सरकार पर वायु प्रदूषण रोकने में नाकामी का आरोप

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र की पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता वर्षा गायकवाड़ ने मुंबई में बिगड़ते वायु प्रदूषण को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि पीएम 2.5 का स्तर 'खतरनाक' श्रेणी में पहुंच गया है और शहर 'गैस चैंबर' में बदलता जा रहा है। मुंबई कांग्रेस की बैठक में उन्होंने हार्वर्ड विश्वविद्यालय के अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि प्रदूषण की वजह से हर साल लगभग 5,100 लोगों की मौत होती है।

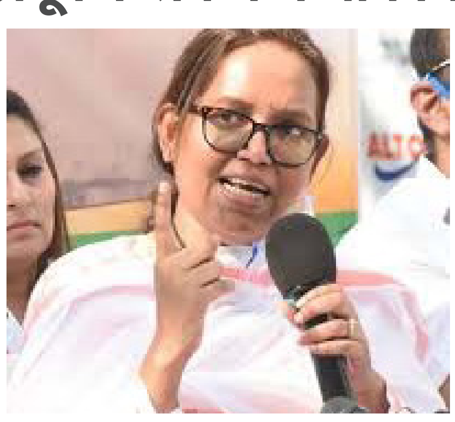

निर्माण, मानदंडों का उल्लंघन और पेड़ कटाई को बताया जिम्मेदार

गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि 'भ्रष्ट महायुति सरकार' ठेकेदारों को प्राथमिकता दे रही है और जनता पीछे छूट रही है। उन्होंने अनियंत्रित निर्माण, पर्यावरण नियमों की अनदेखी, संवेदनशील क्षेत्रों का बिल्डरों को आवंटन और पेड़ों की कटाई को प्रदूषण बढ़ने का मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर मुंबई को गैस चैंबर में ढकेला जा रहा है, जिससे बच्चे बीमार हो रहे हैं और बुजुर्गों को सांस लेना मुश्किल हो रहा है।

कड़े कदमों और जवाबदेही की मांग

कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि यदि यह स्थिति सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल नहीं है, तो और क्या है? उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण योजना लागू करने, पर्यावरण मानदंडों के सख्त पालन, हरित क्षेत्र की रक्षा और नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। गायकवाड़ ने कहा कि मुंबई कांग्रेस ठेकेदारों और सरकार के चहेतों को शहर का भविष्य तय नहीं करने देगी और नागरिकों के स्वच्छ हवा व जीवन के अधिकार के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

अंधेरी में 22 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म, महिला आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अंधेरी इलाके में एक 22 वर्षीय छात्रा के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके दो पुरुष साथी फरार हैं। शिकायत के अनुसार, पीड़िता आरोपी महिला के दफ्तर में काम करती थी और उसी दौरान यह घटना घटी। पीड़िता ने बताया कि काम के चलते आरोपी महिला उसे अपने घर ले गई, जहां उसने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया। पेय पदार्थ पीते ही छात्रा बेहोश हो गई। इसके बाद महिला आरोपी ने अपने दो पुरुष साथियों को घर बुलाया, जिनमें से एक ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया।

चर्चगेट रेलवे स्टेशन पर शिवसेना यूबीटी का प्रदर्शन

बॉम्बे बर्गर का नाम बदलकर मुंबई करने की मांग

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई में 'बॉम्बे' नाम हटाकर 'मुंबई' इस्तेमाल करने की मांग को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। शनिवार को शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं ने साउथ मुंबई के चर्चगेट स्टेशन स्थित फेमस फूड जॉइंट बॉम्बे बर्गर पर विरोध किया। कार्यकर्ताओं ने बोर्ड और नेम प्लेट पर कालिख पोत दी और तुरंत नाम बदलने की चेतावनी दी। इसके बाद फ्रेंचाइज़ी ने बॉम्बे शब्द को काली प्लास्टिक से ढक दिया।

शिवसेना
उद्धव बाळासाहेब ठाकरे

'नाम नहीं बदला तो हम बदल देंगे'

यूबीटी शिवसैनिकों ने कहा कि शहर को 'मुंबई' ही कहा जाना चाहिए और किसी भी सार्वजनिक बोर्ड या ब्रांड में 'बॉम्बे' का इस्तेमाल स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर नाम तुरंत नहीं बदला गया तो वे "अपने तरीके से" बदलाव करेंगे। विरोध के दौरान स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

जितेंद्र सिंह के बयान के बाद बढ़ा विवाद

यह विवाद केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के हालिया बयान के बाद गरमाया, जिसमें उन्होंने पूछा था कि शहर का नाम आज से कई दशक पहले 'मुंबई' हो चुका है, फिर भी IIT-Bombay जैसे संस्थानों में 'बॉम्बे' शब्द क्यों इस्तेमाल किया जा रहा है। उनके बयान के बाद राजनीतिक हलकों में 'बॉम्बे बनाम मुंबई' बहस तेज हो गई।

कर्मचारियों और ग्राहकों की प्रतिक्रिया

दुकान के कर्मचारियों ने बताया कि शिवसैनिकों ने केवल चेतावनी दी, न कोई ज्ञापन दिया और न ही किसी प्रकार की मारपीट की। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सिर्फ़ कैफे का नाम बदलने की मांग कर रहे थे। उधर, ग्राहकों—खासतौर पर युवाओं—ने कहा कि उन्हें नाम से अधिक खाना और स्वाद मायने रखता है। कुछ ने 'बॉम्बे' नाम को सही ठहराया तो कई लोगों ने इसे 'मुंबई' करने का समर्थन किया।

जीडीपी ग्रोथ का आंकड़ा राहुल गांधी को करारा तमाचा : राम कदम

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारत की जीडीपी दूसरी तिमाही में 8.2 प्रतिशत बढ़ी। इसे लेकर भाजपा विधायक राम कदम ने शनिवार को लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा जीडीपी पर दिए गए बयान पर पलटवार किया। राम कदम ने कहा कि राहुल गांधी को पूरा देश किस नाम से जानता है? उन शब्दों का प्रयोग मैं अपनी वाणी से नहीं करूंगा। देश के आंकड़े सच बोलते हैं। जीडीपी के आए ताजा आंकड़े अपने आप में राहुल गांधी को एक करारा तमाचा हैं। कोविड के भीषण काल के बाद जब सारे विश्व की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से डगमगा गई, उस समय भारत ने बेहतर प्रदर्शन किया। 'मोदी है तो मुमकिन है' का वाक्य कितना खरा उतरता है, उनको सोचना चाहिए।

मध्य रेल
भुसावल मण्डल
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा सं.:- BSL-L-W-T-62-2025

कार्य का विवरण: भाग ए: खेरवाड़ी के संबंध में विद्युतीकरण कार्य – 1) खेरवाड़ी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म पर कवर का प्रावधान यानी (1) होम एचएल पीएफ और एक अन्य द्वीप पीएफ अंत से अंत तक। (2) खेरवाड़ी स्टेशन पर पीएफ नंबर 01 और 03 (2000 वर्ग मीटर) की ओर वीडीसी कंक्रीट सतह आदि प्रदान करके परिसंचारी क्षेत्र का विकास। और (3) कुंभ मेला 2027 के संबंध में चारदीवारी का प्रावधान।; **भाग बी:** कस्बे-सुकेने-सीओपी के संबंध में विद्युतीकरण कार्य, सभी मौजूदा शौचालयों में सुधार किया जाएगा। दिव्यांगजन सहित 8 नए शौचालय ब्लॉक का विकास, वीडीसी प्रदान करके परिसंचारी क्षेत्र।; **भाग सी:** देवलाली के संबंध में विद्युतीकरण कार्य– (1) अतिरिक्त प्लेटफार्म और पुराने माल लूप सहित प्लेटफार्म पर कवर का प्रावधान। (2) विस्तारित पुराने माल लूप भुसावल छोर से जुड़ने के लिए पहुंच मार्ग का प्रावधान। (3) पीएफ संख्या 01 और 02 पर बीएसएल छोर और सीएसएमटी छोर की ओर सीमा दीवार का प्रावधान। **2) अनुमानित लागत:** ₹ 6,48,59,972 **3) ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय:** 22/12/2025 को 15.00 बजे, **4) वेबसाईट विवरण: https://www.ireps.gov.in**

टिकट के लिए UTS APP डाउनलोड करे

संपादकीय

जहरीले कारोबार पर सख्त रोक

आज सिर्फ पंजाब-हरियाणा ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में भी नशीले पदार्थों का बढ़ता घातक कारोबार गंभीर संकट की आहट सुना रहा है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने को अपराध की गलियों से गुजरने में गुरेज नहीं करते। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। इस रणनीतिक महत्व के सेमिनार का आयोजन हरियाणा के खाद्य और औषधि प्रशासन ने किया था, जिसका मकसद सीमावर्ती राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सूचना साझेदारी और तेज प्रवर्तन तंत्र विकसित करना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। उल्लेखनीय है कि इस पहल में सीमावर्ती राज्यों पंजाब, राजस्थान, हिमाचल, उत्तराखंड व दिल्ली, महाराष्ट्र तथा हरियाणा के औषधि नियंत्रकों व वरिष्ठ अधिकारियों समेत 70 अधिकारियों ने भाग लिया। इन अधिकारियों ने अनुभव साझा करके भविष्य के लिए कारगर रणनीति को अंजाम देने पर गंभीर मंथन किया। बैठक में स्वीकार किया गया कि नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। इसमें दो राय नहीं कि देश के लिए घातक साबित हो रहे नशे के कारोबार पर अंकुश राज्यों के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है। इसके लिए जरूरी है कि विभिन्न राज्यों के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर इससे जुड़े डेटा साझा करने, पारदर्शी समन्वय और 'एक टीम, एक रणनीति' पर काम करें। साथ ही जरूरी है कि संबंधित अधिकारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ काम करें। इस दौरान सात राज्यों के अधिकारियों ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकने व नकली दवाइयों पर रोक लगाने के लिए सहयोग करने पर सहमति जतायी। इस नई चुनौती के मुकाबले के लिए विशेष प्रशिक्षण और सात राज्यों के ड्रग कंट्रोलरों और पुलिस अधिकारियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान पर सहमति बनी। इसमें दो राय नहीं कि यह जहरीला कारोबार सिर्फ स्थानीय मुद्दा नहीं है बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच साझा चुनौती बना हुआ है, जिसका मुकाबल डेटा साझेदारी और पारदर्शी समन्वय से ही संभव है। खासकर सीमावर्ती राज्यों को तो अंतर्राष्ट्रीय व अंतरराज्यीय तस्करों से मुकाबले के लिए मिलकर काम करना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि चंडीगढ़ में आयोजित सेमिनार के निष्कर्ष राज्य व केंद्र सरकार को भेजने का निर्णय लिया गया ताकि साझी रणनीति तय की जा सके। दरअसल, हाल के दिनों में पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। संकट का एक पहलू यह भी है कि सीमावर्ती जिलों में किशोरों को नशे की आपूर्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पंजाब सरकार के विशेष अभियान के दौरान भी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। अनेक तस्कर व दोहरी भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मियों तक भी कानून के हाथ पहुंचे हैं। लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

शख्सियत — भक्ति शर्मा

भारतीय ओपन वॉटर तैराक

भक्ति शर्मा एक भारतीय ओपन वॉटर तैराक हैं। अंटार्कटिक वाटर में ओपन स्विमिंग में रिकॉर्ड बनाने वाली पहली एशियाई महिला और दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला हैं। भक्ति ने 1 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर 41.14 मिनट में 1.4 मील (2.3 किमी) तैरकर लिन कॉक्स (यूएसए) और लुईस पुघ (ग्रेट ब्रिटेन) का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भक्ति शर्मा का जन्म 30 नवंबर 1989 को मुंबई में हुआ, लेकिन उनका बचपन और संपूर्ण पालन-पोषण उदयपुर, राजस्थान की शांत और सांस्कृतिक धरोहर से भरी भूमि पर हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में भी वे समान रूप से उत्कृष्ट रहीं। उन्होंने बेंगलुरु स्थित सिम्बायोसिस स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन से संचार प्रबंधन में मास्टर डिग्री प्राप्त की, जबकि स्नातक की पढ़ाई उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय से कॉमर्स में पूरी की। उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि यह दर्शाती है कि खेल के साथ-साथ उन्होंने अपने करियर और पढ़ाई के संतुलन को भी बखूबी निभाया।

भक्ति की तैराकी यात्रा अत्यंत कम उम्र में ही आरंभ हो गई थी। मात्र ढाई वर्ष की आयु में जब अधिकांश बच्चे तैरना सीखते भी नहीं, तब उनकी मां और प्रशिक्षक लीना शर्मा ने उन्हें पानी से परिचित कराया। बचपन में ही तैराकी के प्रति उनकी स्वाभाविक प्रवृत्ति और उनकी मां के अथक प्रशिक्षण ने उन्हें जल्द ही राज्य और जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं तक पहुँचाया। कुछ ही सालों में उनकी प्रतिभा खुले पानी की प्रतियोगिताओं में भी चमकने लगी। वर्ष 2003 में, मात्र 14 वर्ष की उम्र में, उन्होंने उरण बंदरगाह से गेटवे ऑफ इंडिया तक 16 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण समुद्री तैराकी सफलतापूर्वक पूरी की। यही से उनके खुले पानी के दमदार सफर की शुरुआत हुई।

भक्ति शर्मा ने अपनी मां लीना शर्मा और मित्र प्रियंका गहलोत के साथ मिलकर इंग्लिश चैनल में तीन सदस्यीय महिला रिले टीम के रूप में एशियाई रिकॉर्ड स्थापित किया, जो अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी। इसके अलावा उनकी मां-बेटी की जोड़ी ने 2008 में इंग्लिश चैनल को पार कर विश्व रिकॉर्ड बनाया, जिससे भक्ति और उनकी मां को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान मिली। यह उपलब्धि केवल खेल का कीर्तिमान नहीं, बल्कि प्रेरणा का ऐसा अध्याय है जिसने सिद्ध कर दिया कि सही मार्गदर्शन और दृढ़ निश्चय किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होता है।

लेकिन भक्ति शर्मा की सबसे बड़ी और विश्व को चौंका देने वाली उपलब्धि 10 जनवरी 2015 को दर्ज हुई, जब वे अंटार्कटिका के अत्यंत ठंडे पानी में 2.25 किलोमीटर तैरने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की और पहली एशियाई महिला बन गईं। यह तैराकी मात्र शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन नहीं थी, बल्कि अदम्य साहस, मानसिक दृढ़ता और चुनौती को स्वीकार करने की क्षमता का प्रमाण थी। उन्होंने केवल 1 डिग्री सेल्सियस तापमान वाले पानी में 41.14 मिनट तक तैरकर यह दूरी पूरी की। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने विश्वप्रसिद्ध तैराक लुईस पुघ और लिन कॉक्स के रिकॉर्ड भी तोड़ दिए।

सेना की वर्दी में आस्था की संवैधानिक परिधि

डॉ० सत्यवान सौरभ
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

भारतीय संविधान नागरिकों को धर्म का पालन, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है, परंतु यह स्वतंत्रता पूर्णतः निरपेक्ष नहीं है। विशेषकर उन सेवाओं में, जहाँ सामूहिक अनुशासन, पदानुक्रम, आज्ञापालन और इकाई-एकजुटता ही अस्तित्व की शर्तें हैं, वहाँ व्यक्तिगत स्वतंत्रता का दायरा स्वाभाविक रूप से सीमित हो जाता है। भारतीय सशस्त्र बल इसी श्रेणी में आते हैं, जहाँ राष्ट्रीय सुरक्षा, युद्धक क्षमता और सामूहिक मनोबल किसी भी व्यक्तिगत पसंद-नापसंद या धार्मिक व्याख्या से कहीं ऊपर रखे जाते हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी को उचित ठहराया जाना इस बात का प्रमाण है कि ''आवश्यक धार्मिक आचरण'' और ''व्यक्तिगत धार्मिक व्याख्या'' में स्पष्ट अंतर किया जाएगा, और वर्दी में रहते हुए यह अंतर और अधिक कठोर हो जाता है। यह निर्णय यह संकेत भी देता है कि सैन्य सेवा का मूल स्वर ''सैकुलर यूनिट-कल्चर'' पर आधारित है, जहाँ किसी भी धर्म की मान्यताएँ सम्मानित हैं, किंतु किसी एक धर्म की निजी व्याख्या रेजिमेंटल परंपराओं, आदेशों या सैन्य अनुशासन पर प्रभाव नहीं डाल सकती।

भारत जैसे बहुधर्मी समाज में सेना का चरित्र हमेशा से विशिष्ट रूप से धर्मनिरपेक्ष रहा है। एक ही पलटन में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और अन्य धर्मों के सैनिक कंधे से कंधा जोड़कर लड़ते हैं। उनकी एकता का आधार ''धर्म'' नहीं, बल्कि ''रक्त संबंधी बंधुत्व'' और ''राष्ट्र के प्रति साझा निष्ठा'' है। यही कारण है कि भारतीय सेना की रेजिमेंटल परंपराओं में धार्मिक रंग तो दिखते हैं, पर उनका उद्देश्य किसी विशेष धर्म का प्रचार नहीं, बल्कि सैनिक भावना, युद्धक मनोबल और ऐतिहासिक गौरव की निरंतरता को बनाए रखना होता है। उदाहरणस्वरूप कई रेजिमेंट अपने पारंपरिक युद्ध-नाद या शुभ प्रतीकों का उपयोग करती हैं, जो उनकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और युद्धों में प्रदर्शित वीरता की गवाही देते हैं।

किसी सैनिक के लिए धार्मिक आस्था उसका व्यक्तिगत अधिकार अवश्य है, पर जब वह वर्दी धारण करता है, तो वह व्यक्ति नहीं, राष्ट्र का प्रतिनिधि बन जाता है। सेना किसी सैनिक को किसी विशेष धार्मिक अनुष्ठान को त्यागने या नया अपनाने के लिए बाध्य नहीं करती, किंतु यह अपेक्षा अवश्य करती है कि भीतर की किसी निजी व्याख्या को सैनिक अपने कर्तव्यों, आदेशों या इकाई-परंपराओं से ऊपर न रखे। सर्वोच्च न्यायालय ने इसी संदर्भ में स्पष्ट किया कि क्या कोई धार्मिक ग्रंथ वास्तव में किसी विशेष क्रिया को प्रतिबंधित करता है या यह केवल व्यक्ति की निजी धारणा है—यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है। ''आवश्यक धार्मिक आचरण'' वही होता है जो धर्म के मूलभूत स्वरूप का अंग हो, जिसे त्याग देने पर धर्म का स्वरूप ही बदल जाए। इसके विपरीत यदि कोई आचरण केवल व्यक्तिगत व्याख्या पर आधारित है, तो उसे सेवा-आवश्यकताओं से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

न्यायालय ने यह भी रेखांकित किया कि यदि किसी सैनिक को आदेश दिया जाए कि वह किसी आधिकारिक कार्यक्रम या परेड में भाग ले, और वह ''धार्मिक कारणों'' का हवाला देते हुए मना करे, तो उसकी इस असहमति के दो स्तरों की जाँच होगी—पहला यह कि क्या वह आचरण सचमुच धर्म-आवश्यक है? और दूसरा यह कि क्या उसका पालन रेजिमेंटल अनुशासन या सामूहिक मनोबल को प्रभावित करता है? यदि कोई सैनिक आदेश का पालन नहीं करता, तो वह केवल एक व्यक्तिगत निर्णय नहीं होता—वह पूरी संरचना के अनुशासन को चुनौती देने का कार्य बन जाता है। सेना में एक भी अस्वीकार उदाहरण चेन-ऑफ-कमांड को कमजोर करने का कारण बन सकता है, क्योंकि युद्धकालीन या संकट की परिस्थितियों में आदेशों का तुरंत पालन ही जीवन और मृत्यु का अंतर तय करता है।

सैन्य अनुशासन केवल बाहरी नियमों का पालन नहीं है; यह मनोवैज्ञानिक एकजुटता और मानसिक तैयारी की वह अवस्था है जिसमें प्रत्येक सैनिक स्वयं को इकाई का अभिन्न घटक मानता है। धार्मिक आधार पर स्वयं को अलग करना या रेजिमेंटल परंपराओं से दूरी बनाना उस भावना को कमजोर कर सकता है। इसलिए न्यायालय और सैन्य नेतृत्व दोनों इस बात पर सहमत हैं कि ''व्यक्तिगत विश्वास'' और ''व्यक्तिगत व्याख्या'' का सम्मान तो किया जा सकता है, पर ''व्यक्तिगत धार्मिक औचित्य'' देकर सैन्य आदेशों का उल्लंघन न तो स्वीकार्य है, न ही वह किसी भी प्रकार ''धर्म के अधिकार'' के अंतर्गत आता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि सेना किसी सैनिक को दूसरे धर्म के अनुष्ठानों में ''भाग लेने'' के लिए बाध्य नहीं करती, बल्कि केवल ''उपस्थिति'' या ''प्रोटोकॉल'' पूरा करने की अपेक्षा करती है। उदाहरणस्वरूप—यदि किसी कार्यक्रम में किसी देवी-देवता की प्रतिमा लाई जाती है या आशीर्वाद की औपचारिक प्रार्थना होती है, तो सैनिक को ''उपस्थित'' रहना होता है, ''पूजा'' करना अनिवार्य नहीं होता। यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सेना किसी की अंतःकरण-स्वतंत्रता का अतिक्रमण नहीं करती। सैनिक चाहे तो मन ही मन अलग विश्वास रख सकता है, पर वह सार्वजनिक रूप से असहमति दिखाकर अनुशासन को चुनौती नहीं दे सकता।

सवाल यह है कि क्या सेना ''उचित समायोजन'' कर सकती है? हाँ, पर इसकी सीमा वही है जहाँ तक वह सामूहिक हितों को प्रभावित न करे। कई बार सैनिकों को उनके धार्मिक त्यौहारों, पूजा-पद्धतियों या आहार-मान्यताओं के अनुसार उचित छूट दी जाती है। सेना में गुरुद्वारा, मंदिर, मस्जिद, चर्च आदि के लिए स्थान भी निर्धारित होते हैं। पर यह ''धर्म-आधारित सुविधाएँ'' तभी तक संभव हैं जब तक वे ''सेवा के मूल कार्य'' या ''युद्धक आवश्यकताओं'' से संघर्ष न करें। यदि किसी व्यक्तिगत आस्था का पालन इकाई की गतिविधियों, युद्ध-तैयारी या आदेशों में अवरोध डालता है, तो उसका समायोजन संभव नहीं होता।

सैन्य अधिकारी के लिए दायित्व और भी अधिक कठोर हो जाते हैं। अधिकारी केवल आदेश का पालन करने वाला सैनिक नहीं होता—उसे दूसरों के लिए उदाहरण बनना होता है।

जीवन मंत्र

आत्मा का स्वभाव होता है बाहर की तरफ़ देना

जब देने और पाने की यह दो विपरीत धाराएँ टकराती हैं, तो भीतर द्वंद्व और बेचैनी उत्पन्न होती है। व्यक्ति कभी त्याग करना चाहता है, तो कभी सम्मान की आकांक्षा उसे घेर लेती है। इस द्वंद्व से मनुष्य की चेतना जटिल हो जाती है—वह न पूरी तरह संसार में रह पाता है, न पूरी तरह आत्मिक शांति में।

यह वाक्य जीवन के गहरे आध्यात्मिक सत्य को उजागर करता है। अहं और आत्मा—दोनों मनुष्य के भीतर विद्यमान शक्तियाँ हैं, लेकिन इनका स्वभाव एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न होता है। अहं (अहंकार) का स्वभाव है अपनी ओर खींचना, सब कुछ अपने लिए रखना, स्वयं को केंद्र में रखना। यह "मैं" और "मेरा" के दायरे में बंधा रहता है। अहंकार चाहता है कि सारी दुनिया उसके चारों ओर घूमे—मान-सम्मान, अधिकार, प्रशंसा, सुख-सुविधा—सब कुछ अपने नियंत्रण में रहे। यह भीतर एक तरह का स्वार्थ और सीमितता पैदा करता है, जो मनुष्य को बाहरी उपलब्धियों का तो आकांक्षी बनाता है, लेकिन भीतर से असंतुष्ट रखता है।

इसके विपरीत, आत्मा का स्वभाव देने का है। आत्मा विस्तार चाहती है, प्रेम चाहती है, सेवा और समर्पण में आनंद पाती है। आत्मा तब तृप्त होती है जब वह किसी को कुछ दे सके—चाहे वह स्नेह हो, करुणा हो, या ज्ञान। उसका स्वभाव उदारता और समरसता में निहित है। जब आत्मा का भाव जागृत होता है, तब व्यक्ति स्वयं को दूसरों में देखता है, वह सीमाओं से परे हो जाता है। इसीलिए संत और ज्ञानी लोग त्याग और प्रेम में आनंद पाते हैं, क्योंकि वे आत्मा के क्षेत्र में जी रहे होते हैं, न कि अहं के बंधन में।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब अहं और आत्मा एक साथ सक्रिय हो जाते हैं। एक भीतर से कहता है—"मुझे दो, मैं चाहता हूँ", और दूसरा कहता है—"ले लो, मैं देना चाहता हूँ।" यही विरोधाभास मनुष्य के जीवन में संघर्ष पैदा करता है। जब देने और पाने की यह दो विपरीत धाराएँ टकराती हैं, तो भीतर द्वंद्व और बेचैनी उत्पन्न होती है। व्यक्ति कभी त्याग करना चाहता है, तो कभी सम्मान की आकांक्षा उसे घेर लेती है। इस द्वंद्व से मनुष्य की चेतना जटिल हो जाती है—वह न पूरी तरह संसार में रह पाता है, न पूरी तरह आत्मिक शांति में।

अहं की पकड़ इतनी सूक्ष्म होती है कि वह आत्मा के कार्यों में भी प्रवेश कर जाती है। व्यक्ति सेवा करता है, लेकिन उसके पीछे मान्यता पाने की इच्छा छिपी होती है; वह भक्ति करता है, लेकिन उसमें भी "मैं भक्त हूँ" का गर्व छिपा रहता है। यही वह स्थिति है जिसे "भयंकर जटिलता" कहा गया है—जहाँ अहं और आत्मा का मिलन हो तो जाता है, लेकिन संतुलन नहीं बन पाता। अहं अपने हित में आत्मा की शक्ति का उपयोग करता है, और व्यक्ति भ्रम में पड़ जाता है कि वह आध्यात्मिक बन रहा है, जबकि भीतर उसका अहं ही पोषित हो रहा होता है।

जीवन ऊर्जा

मार्क ट्वेन : जन्म 30 नवंबर 1835 — देहवसान

विलंबित पूर्णता की तुलना में निरंतर सुधार बेहतर है

मार्क ट्वेन अमेरिकी लेखक, हास्यकार, उद्यमी, प्रकाशक और व्याख्याता थे। उनका जन्म 30 नवंबर 1835 में हुआ था। उन्हें 'संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा निर्मित सबसे महान हास्यकार' के रूप में प्रशंसा मिली और उन्हें 'अमेरिकी साहित्य का पिता' भी कहा जाता है। उनके उपन्यासों में 'द एडवेंचर्स ऑफ टॉम सॉयर' और इसकी अगली कड़ी, 'एडवेंचर्स ऑफ हकलबेरी फिन' शामिल हैं, जिसे 'ग्रेट अमेरिकन नॉवेल' कहा जाता है। उन्होंने अपनी आखरी सांस 21 अप्रैल, 1910 में ली थी।

धन की कमी सभी बुराई की जड़ है। आवश्यकता जोखिम उठाने की जननी है। पवित्रता और खुशी एक असंभव संयोजन है। आगे बढ़ने का सबसे बड़ा राज शुरुआत करना हैं। सबसे बुरा अकेलापन खुद के साथ सहज न होना है। विलंबित पूर्णता की तुलना में निरंतर सुधार बेहतर है। स्कूली शिक्षा को अपनी शिक्षा में हस्तक्षेप न करने दें। सबसे महान आविष्कारक का नाम बताइए -: दुर्घटना। तीन तरह के झूठ होते है-झूठ, बड़ा झूठ, और आंकड़े। वास्तविकता को पर्याप्त कल्पना से हराया जा सकता है। कोई भी सबूत किसी बेवकूफ को कभी राजी नहीं करेगा। इतिहास खुद को दोहराता नहीं है, लेकिन यह तुकबंदी करता है। दया वह भाषा है जिसे बहरे सुन सकते हैं और अंधे देख सकते हैं। किताबें उन लोगों के लिए होती हैं जो चाहते हैं कि वे कहीं और हों। हर दिन को अपने जीवन का सबसे खूबसूरत दिन बनने का मौका दें। हमेशा सही करें; ये कुछ लोगों को संतुष्ट करेगा और बाकियों को अचंभित। अच्छे दोस्त, अच्छी किताबें और एक सुप्त अंतःकरण; यही आदर्श जीवन है। जलवायु वह है जिसकी हम अपेक्षा करते हैं, मौसम वह है जो हमें मिलता है। चिंता करना उस कर्ज का भुगतान करने जैसा है जो आप पर बकाया नहीं है। यदि आप सच कहते हैं, तो आपको कुछ भी याद रखने की आवश्यकता नहीं है। चीजों को जितना ज्यादा वर्जित किया जाता है वो उतना ही लोकप्रिय हो जाती हैं। देश के प्रति वफादारी हमेशा। सरकार के प्रति वफादारी जब वो उसके लायक हो। अगर हमें सुनने से ज्यादा बोलना होता, तो हमारे पास दो मुंह और एक कान होता। बोल कर सारा संदेह ख़तम कर देने से अच्छा है चुप रह कर बेवकूफ समझा जाना। हर कोई चांद है, और उसका एक स्याह पक्ष है जो वह कभी किसी को नहीं दिखाता। पहले अपने तथ्यों को प्राप्त करें, फिर आप उन्हें अपनी ख़ुशी से तोड़ मरोड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी पुस्तकें पढ़ने में सावधानी बरतें। आप गलत छपने से मर भी सकते हो।

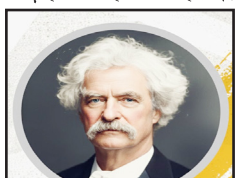

अपने विचार

मेरे न्यायालय में कोई विलासितापूर्ण मुकदमा नहीं चलेगा, मैं आपको बता दूं, मैं यहां सबसे छोटे, सबसे गरीब पक्षकार के लिए हूं, अगर जरूरत पड़ी तो मैं उनके लिए आधी रात तक यहां बैठूंगा।

-जस्टिस सूर्यकांत,
CJI, भारत

आज भी लोगों के मन मे कोई मुख्यमंत्री का चेहरा है तो वो एकनाथ शिंदे का है। राज्य के इतिहास में ऐसा कोई सीएम नहीं बना। भविष्य में क्या होगा कोई नहीं जानता।

-दादा भूसे,
मंत्री, महाराष्ट्र

सरकारी आवास की मालिक जनता होती है, ये किसी की बपौती नहीं है, सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि पूर्व मुख्यमंत्रियों को सरकारी बंगला नहीं मिल सकता है, पूर्व सीएम राबड़ी देवी को विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर जो घर कैटगराइज किया गया है, वो मिल गया है।

-सम्राट चौधरी,
डिप्टी सीएम,बिहार

घुसपैठिए हमारे शरीर के कैंसर की तरह हैं। देश 'घुसपैठियों' से छुटकारा चाहता है। यह गैर-कानूनी इमिग्रेशन के मुद्दे कैंसर जैसे हैं। देश ऐसी धमकियों से डरने वाला नहीं है।

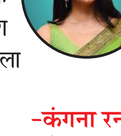

-कंगना रनौत,
सांसद,भाजपा

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

कलियुग में भगवान का स्मरण सर्वोत्तम साधना है

प्रत्येक युग की अपनी-अपनी साधना निर्धारित मानी गई है। सतयुग में जहाँ ज्ञानयोग को प्रमुख साधना रूप में स्वीकार किया गया, वहीं त्रेतायुग में ध्यानयोग का महत्व रहा। द्वापरयुग में यज्ञ, कर्मकांड और पूजा-अर्चना के माध्यम से भगवान की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त किया गया। किन्तु कलियुग में, जब मनुष्य का मन अस्थिर, चिंताग्रस्त और व्यस्तता से भरा है, तब शास्त्रों ने सबसे सरल परंतु अत्यंत प्रभावशाली साधना के रूप में 'नामजप' का मार्ग बताया है। कलियुग में भगवान की कृपा प्राप्त करने का सबसे सहज साधन केवल हरिनाम का स्मरण और संकीर्तन ही माना गया है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

श्रीमद्भागवत में स्पष्ट कहा गया है कि भले ही कलियुग असंख्य दोषों से भरा है, पर इसमें एक अद्भुत गुण छिपा है—जो फल सतयुग में गहन ध्यान से, त्रेतायुग में कठिन तपस्या से, द्वापरयुग में विस्तृत यज्ञ एवं कर्मकांड से प्राप्त होता था, वही पुण्यफल कलियुग में केवल श्रीहरि के नाम का संकीर्तन करने मात्र से मिल सकता है। यह नामजप इतना प्रबल है कि बड़े-बड़े पापों का नाश करने और मनुष्य को भगवान के समीप ले जाने की शक्ति रखता है। कृष्ण यजुर्वेदीय संतरणोपनिषद में भी यह उल्लेख मिलता है कि द्वापरयुग के अंत में जब देवर्षि नारद ने ब्रह्मा जी से प्रश्न किया कि कलियुग के प्रभाव, विकार और मानसिक अशांति से मनुष्य कैसे मुक्त होगा, तब सृष्टिकर्ता ने उत्तर दिया कि आदिपुरुष नारायण के नामोच्चारण से ही मनुष्य कलियुग के समस्त दोषों को परास्त कर सकता है। इसी सत्य को चैतन्य महाप्रभु ने अत्यंत बलपूर्वक स्थापित किया। उन्होंने कहा कि इस युग में हमारे उद्धार का एकमात्र मार्ग हरिनाम का आश्रय है। सिख परंपरा में भी श्री गुरु नानक देव जी ने कहा—"नानक दुखिया सब संसार, ओहि सुखिया जो नामाधार।" यह वचन दर्शाता है कि संसार के सभी दुखों से मुक्ति पाने का एक ही मार्ग है—ईश्वर के नाम का आश्रय। रामचरितमानस में तुलसीदास जी ने भी यही सत्य दोहराया है—"कलियुग केवल नाम आधारा, सुमिरि-सुमिरि नर उतरहीं पारा।" अर्थात कलियुग में केवल नामजप ही मनुष्य को भवसागर से पार कराने में समर्थ है।

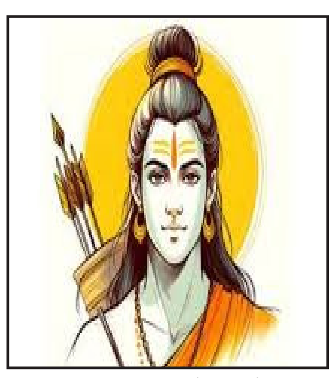

ध्यानयोग की दृष्टि से देखें तो कलियुग में ध्यान की साधना अत्यंत कठिन है। आज के रजसिक और तामसिक वातावरण में वह शांत, पवित्र और आनंदमयी स्थिति प्राप्त करना लगभग असंभव सा लगता है, जो ध्यान के लिए आवश्यक है। शहरों के शोर, भागदौड़ और व्यस्तता ने मनुष्य को निरंतर विचलित कर रखा है। इसके अतिरिक्त टीवी, मोबाइल, लैपटॉप जैसी तकनीकें मन को क्षण-क्षण भटकाती रहती हैं। व्यक्ति आधा घंटा भी इन साधनों से दूर नहीं रह पाता, तो वह घंटों ध्यान और समाधि की अवस्था में कैसे स्थिर रह सकता है? मन को स्थिर करने के लिए जो एकांत, संयम और गहन अभ्यास चाहिए, वह आज कठिनाई से ही संभव है। ध्यान की आधारशिला सदाचार, यम-नियम और सात्विक भोजन भी आधुनिक जीवनशैली में बहुतों के लिए पालन करना मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित ही कुछ व्यक्तियों को उनके पूर्व जन्मों के योगाभ्यास या संस्कारों के कारण ध्यान सहज लग सकता है, परंतु यह साधना सभी के लिए एक समान रूप से सरल नहीं हो सकती। इस कारण शास्त्रों में बताए मार्ग का अनुसरण करना अधिक व्यावहारिक और लाभकारी माना गया है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

111 करोड़ की ठगी के प्रयास में नगर पंचायत अध्यक्ष गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले की विक्रमगढ़ नगर पंचायत अध्यक्ष को 111 करोड़ रुपये की जालसाजी की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी निलेश उर्फ पिंका रमेश पडवाले ओ वी कंस्ट्रक्शन कंपनी का मालिक भी है और उसने इसी कंपनी के नाम पर डिमांड ड्राफ बनाकर जालसाजी की। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता और लेखाकार के फर्जी हस्ताक्षर कर 111.63 करोड़ रुपये का चेक स्टेट बैंक की स्थानीय शाखा में जमा किया था। जांच में गड़बड़ी मिलने पर बैंक ने विभाग के अधिकारियों को सूचना दी। उसके बाद मामला सामने आया।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने उदगीर जिले की स्थापना के लिए प्रयास करने का वादा किया

लातूर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को उदगीर को नया जिला बनाने के लिए 'सकारात्मक प्रयास' करने का वादा किया। उदगीर में दो दिसंबर को होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों से पहले शिवसेना उम्मीदवारों के लिए एक चुनावी भाषण देते हुए उन्होंने मंच से राज्य के स्वास्थ्य मंत्री को फोन किया और उन्हें स्थानीय सरकारी अस्पताल को आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उदगीर वर्तमान में मध्य महाराष्ट्र के लातूर जिले का एक हिस्सा है। उदगीर नगर परिषद के लिए शिवसेना उम्मीदवारों के लिए एक चुनावी रैली में शिंदे ने स्वीकार किया कि अलग जिले की मांग पुरानी है। इसमें नगरपालिका अध्यक्ष पद की आकांक्षी सुनीता पंचाक्षरी भी मौजूद थीं। शिवसेना प्रमुख ने आश्वासन दिया, 'इस संबंध में सभी संभव सकारात्मक प्रयास किये जायेंगे।'

टोरेंट पावर ने भिवंडी और कलवा में ब्लड डोनेशन कैंप लगाया

ठाणे। समुदाय स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए टोरेंट पावर ने शनिवार, 29 नवंबर को भिवंडी और शील–मुंब्रा–कलवा क्षेत्रों में एक बड़े रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कंपनी की सामुदायिक सेवा पहलों का महत्वपूर्ण हिस्सा था और विशेष रूप से थैलेसीमिया पीड़ित मरीजों की सहायता के उद्देश्य से आयोजित किया गया। टोरेंट पावर के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए एक ही दिन में 365 बोतल रक्त दान किया। यह रक्त सहयोगी ब्लड बैंकों को प्रदान किया जाएगा, जिससे थैलेसीमिया सहित अन्य गंभीर रोगियों के उपचार में बड़ी मदद मिलेगी। कर्मचारियों ने कहा कि ऐसे सामाजिक उपक्रमों में भाग लेकर उन्हें गर्व और संतोष का अनुभव होता है। टोरेंट पावर के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि कंपनी केवल बिजली आपूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज की भलाई के लिए विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करना उसकी जिम्मेदारी है।

पालघर में शराब में मिलावट करने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने शराब में मिलावट करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और 12 लाख रुपये मूल्य का भंडार जब्त किया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एमबीवीवी पुलिस की अपराध शाखा की एक टीम ने बृहस्पतिवार को नालासोपारा स्थित एक चॉल में छापा मारा और आरोपी धर्मराज बाबूलाल निषाद (55) को गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ निरीक्षक अविराज कुरहाडे ने बताया कि आरोपी दीव और दमन तथा गोवा से सस्ती शराब लाकर उसमें कथित तौर पर रसायन मिलाता था जिसके बाद वह उसे मशहूर एवं महंगे शराब ब्रांड की बोतलों में भरकर बेचता था। कुरहाडे ने बताया, ''हमारी टीम ने विभिन्न महंगे ब्रांड की 750 और 180 मिलीमीटर की कुल 368 बोतलें तथा कुल 12 लाख रुपये मूल्य की अन्य सामग्री जब्त की है।'' अधिकारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम, 1949 की संबंधित धाराओं तथा भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 318 (ठगी) एवं धारा 274 (विक्रय के उद्देश्य से खाद्य या पेय में मिलावट) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

'विज़िट माय पुलिस स्टेशन' कार्यक्रम को अभूतपूर्व प्रतिसाद

भिवंडी में 600 से अधिक नागरिकों ने जाना पुलिस का कामकाज

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शनिवार, 29 नवंबर को आयोजित 'विज़िट माय पुलिस स्टेशन' कार्यक्रम को शहरवासियों से अप्रत्याशित और उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला। पुलिस स्टेशन को रंगोली और विशेष सजावट से सुसज्जित कर जनता के लिए खोला गया था, जहां 600 से अधिक नागरिकों ने पहुँचकर पुलिस की कार्यप्रणाली और कानून-व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की विस्तृत जानकारी ली।

विद्यार्थियों, वकीलों, सामाजिक संगठनों सहित विभिन्न वर्गों की भागीदारी

कार्यक्रम में स्कूल–कॉलेज के विद्यार्थी, वकील, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, पूर्व नगरसेवक, डॉक्टरों की संस्था के सदस्य, मीडियाकर्मी, महिला समूह, व्यापारी, उद्योगपति, बिल्डर्स तथा पुलिस शांतता समिति के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर लॉ कॉलेज और अन्य संस्थानों की छात्राओं ने भी विशेष रूप से भाग लिया।

दुर्घटना सहायता के लिए 'खिड़की योजना' की मांग

डॉक्टरों की टीम ने वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड को सुझाव दिया कि दुर्घटना से संबंधित त्वरित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए पुलिस स्टेशन में विशेष 'खिड़की योजना' शुरू की जानी चाहिए, ताकि आपात स्थिति में जरूरतमंदों को तुरंत चिकित्सा सहायता मिल सके। एक युवा वकील ने स्पष्ट किया कि भिवंडी कोर्ट परिसर में बुर्का और हिजाब पर कभी किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं रहा।

"पुलिस का धर्म केवल खाकी"

कार्यक्रम के दौरान नागरिकों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड ने स्पष्ट कहा— "पुलिस का कोई धर्म नहीं होता, पुलिस का धर्म केवल खाकी है। हमारा कर्तव्य न्याय देना, नागरिकों की रक्षा करना और समाज की सेवा करना है।" उन्होंने कार्यक्रम में भारी संख्या में उमड़ी भीड़ के लिए शहरवासियों को धन्यवाद दिया और कहा कि ऐसे कार्यक्रम पुलिस और जनता के बीच विश्वास, संवाद और सहयोग को और मजबूत बनाते हैं।

कोपरी पुलिस स्टेशन में भी "विज़िट माई पुलिस स्टेशन" कार्यक्रम

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शनिवार को कोपरी पुलिस स्टेशन में राज्य-स्तरीय पहल "विज़िट माई पुलिस स्टेशन" उत्साह के साथ आयोजित की गई। ठाणे पुलिस कमिश्नरेट, महाराष्ट्र स्टेट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी (MSLSA), ठाणे लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी (DLSA) और ग्लोबल केयर फ़ाउंडेशन, मुंबई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम को छात्रों और नागरिकों से भारी प्रतिसाद मिला।

समाज और पुलिस दोनों एक ही टीम

आयोजकों का कहना था कि पुलिस बल समाज की सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है और नागरिकों को बिना किसी संकोच के पुलिस स्टेशन के साथ संवाद बढ़ाना चाहिए। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी ने इस पहल को ठाणे में सफल बनाया और इसे पुलिस–नागरिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

पुलिस कमिश्नर के मार्गदर्शन में विशेष कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान पुलिस कमिश्नर आशुतोष डुंबरे के मार्गदर्शन में नागरिकों को पुलिस विभाग के विभिन्न विंग, जांच प्रक्रिया, कानून व्यवस्था प्रणाली और लीगल एड सर्विसेज़ के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस पहल का उद्देश्य नागरिक–पुलिस के बीच की दूरी कम करना और विश्वास व पारदर्शिता को बढ़ाना था।

कानूनी जागरूकता और संवाद पर विशेष जोर

MSLSA, DLSA और ग्लोबल केयर फ़ाउंडेशन की टीम ने प्रतिभागियों को उनके अधिकारों, उपलब्ध कानूनी सहायता, तथा पुलिस से संवाद करने की उचित प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में नागरिकों ने भी अपने क्षेत्र की समस्याओं, सुरक्षा मुद्दों और सुझावों पर खुलकर चर्चा की।

हम सब एक ही समाज के पार्टनर : विश्वकर

सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर निशिकांत विश्वकर ने कहा कि नागरिक और पुलिस एक–दूसरे के दुश्मन नहीं हैं। हम सब एक ही समाज के पार्टनर हैं। पुलिस स्टेशन के दरवाज़े हमेशा नागरिकों के लिए खुले हैं। हम तीन चीज़ों पर फोकस करते हैं—ट्रांसपेरेंसी, कम्युनिकेशन और भरोसा।

'विजिट माई पुलिस स्टेशन' कार्यक्रम में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

पुलिस आयुक्तालय द्वारा पुलिस आयुक्त आशुतोष डुम्बरे की अध्यक्षता में 'विजिट माई पुलिस स्टेशन' कार्यक्रम आयोजित किया गया। विठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली के मार्गदर्शन में कार्यक्रम बड़े ही अपनत्व भरे माहौल में आयोजित हुआ। उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, नागरिकों और स्कूलों के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पुलिस प्रशासन और आम नागरिकों के बीच बेहतर तालमेल बनाने, सामाजिक मुद्दों के समाधान और आपसी संवाद को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई।

पुलिस–जन सहयोग बढ़ाने का मुख्य उद्देश्य

कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आम जनता के बीच कम्युनिकेशन बढ़ाना, शिकायतों का त्वरित समाधान तलाशना और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाना था। इस सराहनीय पहल में एसोसिएशन अध्यक्ष जगदीश तेजवानी, परमानंद गेरेजा, महेश पुरस्वानी, गुलशन हरीसिंघानी, अजय चिमनानी, हरेश निगु, नंदलाल मेहरचंदानी सहित कई पदाधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के सदस्य और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

महापरिनिर्वाण दिवस पर मध्य रेल चलाएगा 15 अनारक्षित विशेष ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर बड़ी संख्या में मुंबई आने वाले अनुयायियों की सुविधा के लिए मध्य रेल 04 से 08 दिसंबर 2025 के बीच 15 अनारक्षित विशेष ट्रेन सेवाएं संचालित करेगा। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विभिन्न मार्गों पर अतिरिक्त ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

नागपुर से सीएसएमटी तक कुल 4 विशेष ट्रेनें

नागपुर से मुंबई के लिए 4 विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी। 04 दिसंबर को ट्रेन नंबर 01260 शाम 6:15 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि 01262 रात 11:55 बजे। 05 दिसंबर को 01264 सुबह 8 बजे तथा 01266 शाम 6:15 बजे रवाना होगी। इन ट्रेनों का ठहराव अजनी, वर्धा, अकोला, भुसावल, नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण समेत प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा।

सभी ट्रेनों में 18–24 कोचों की संरचना

मध्य रेल ने इन अनारक्षित विशेष ट्रेनों में द्वितीय शयनयान, सामान्य द्वितीय श्रेणी, कुर्सीयान और सेकेंड सीटिंग कोच शामिल किए हैं। संरचना मार्ग अनुसार 18 से 24 कोचों की होगी, जिससे यात्रियों को अधिक सुविधा मिल सके।

सीएसएमटी से नागपुर के लिए 4 सेवाएं और दादर से एक ट्रेन

मुंबई से नागपुर दिशा में 06 से 08 दिसंबर के बीच चार ट्रेनें चलाई जाएंगी। 06 दिसंबर को 01249, जबकि 07 दिसंबर को 01251 और 01255 रवाना होंगी। 08 दिसंबर को 01257 मध्यरात्रि 00:20 बजे चलेगी। इसके अलावा, दादर से नागपुर के लिए 01253 विशेष ट्रेन 07 दिसंबर को 00:40 बजे चलेगी।

कलबुरगि, अमरावती और कोल्हापुर मार्गों के लिए भी विशेष सेवाएं

यात्रियों की सुविधा हेतु मध्य रेल अन्य महत्वपूर्ण शहरों से भी विशेष सेवाएं चला रहा है। कलबुरगि–सीएसएमटी मार्ग पर 05 और 07 दिसंबर को दो विशेष ट्रेनें। अमरावती–सीएसएमटी–अमरावती मार्ग पर 05 और 07 दिसंबर को दो ट्रेनें उपलब्ध रहेंगी। कोल्हापुर–सीएसएमटी–कोल्हापुर मार्ग पर 05 और 06 दिसंबर को विशेष ट्रेनें चलाई जाएंगी।

कुंभ मेले से पहले नासिक में पेड़ कटाई का विरोध तेज

राज ठाकरे ने सरकार पर 'अवसरवाद' का आरोप लगाया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नासिक के तपोवन क्षेत्र में कुंभ मेले से पूर्व प्रस्तावित 'साधु ग्राम' के निर्माण के लिए पेड़ों की कटाई की योजना पर विरोध लगातार बढ़ रहा है। करीब 1,670 पेड़ों को काटने के लिए चिह्नित किया गया है, जिनमें कई 100 साल पुराने बताए जा रहे हैं। प्रकृति प्रेमी, नागरिक और पर्यावरण कार्यकर्ता इस योजना का कड़ा विरोध कर रहे हैं। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कुंभ मेले के बहाने पेड़ों को काटकर जमीन बाद में 'पसंदीदा उद्योगपतियों' को दी जाएगी। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि अगर वह टकराव वाला रुख अपनाती है, तो मनसे जनता के साथ संघर्ष करेगी। राज ठाकरे ने कहा कि मनसे के कार्यकाल में ऐसे किसी पेड़ कटाई की जरूरत नहीं पड़ी थी।

पर्यावरण कार्यकर्ताओं की कड़ी आपत्ति

अभिनेता और पर्यावरण कार्यकर्ता सयाजी शिंदे ने तपोवन का दौरा कर पेड़ कटाई के खिलाफ कड़ा विरोध जताया। उन्होंने कहा कि "पेड़ हमारे अभिभावक हैं" और साधु ग्राम के लिए एक भी पेड़ नहीं काटा जाना चाहिए। शिंदे ने चेतावनी दी कि यदि सरकार पीछे नहीं हटी, तो वे सरकार के खिलाफ आवाज उठाएंगे। उन्होंने स्थानीय निवासियों से एकजुट होकर विरोध करने की अपील की।

नगर निगम की नोटिस पर सैकड़ों आपत्तियां, सुनवाई में अफरा-तफरी

नासिक नगर निगम द्वारा पेड़ कटाई के लिए जारी नोटिस पर बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज की गईं। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने जोरदार विरोध किया, जिससे स्थल पर अफरा–तफरी मच गई। कई लोगों ने कहा कि तपोवन वह स्थान है जहां भगवान राम, सीता और लक्ष्मण ने वनवास के दौरान निवास किया था, इसलिए यहां पेड़ कटाई सांस्कृतिक विरासत के खिलाफ है।

राजनीतिक घमासान और जनता के साथ खड़े होने का संदेश

राज ठाकरे ने सोशल मीडिया पर कहा कि सरकार का "नए पेड़ लगाने" वाला आश्वासन खोखला है, क्योंकि ऐसा कभी होता नहीं। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि सरकार के पास कहीं और अधिक जगह है, तो साधु ग्राम वहीं क्यों नहीं बसाया जाता। इसके साथ ही उन्होंने सरकार पर उद्योगपतियों के लिए जमीन तैयार करने का आरोप लगाया। ठाकरे ने नासिक के लोगों से डटे रहने की अपील की और कहा कि मनसे हर चरण में जनता के साथ खड़ी रहेगी।

रोड रेज–किडनैपिंग मामले में पूजा खेड़कर के पिता की पुलिस के सामने पेशी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के राबले पुलिस स्टेशन में शनिवार को पूजा खेड़कर के पिता दिलीप खेड़कर की पुलिस के सामने पेशी हुई। दिलीप सड़क पर विवाद और कथित अपहरण से जुड़े मामले में आरोपी हैं। पूजा खेड़कर पर फर्जी दस्तावेजों से आईएएस बनने का आरोप है। ये प्रोबेशन अधिकारी भी रह चुकी हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पिछले महीने उन्हें अग्रिम जमानत देते हुए जांच में पूरा सहयोग करने का निर्देश दिया था। खेड़कर सुबह थाने पहुंचे और पूरे दिन पूछताछ में मौजूद रहे। मीडिया से बातचीत में उन्होंने सभी आरोपों से इनकार किया। उनका कहना था कि ट्रक क्लीनर स्वेच्छा से उनके साथ पुणे गया था और उन्होंने ट्रक मालिक से फोन पर बात भी करवाई थी।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। घरेलू कार्य समय पर होंगे। सुख–शांति बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

वृष भूमि व भवन के खरीद–फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार लाभदायक रहेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। धनागम होगा। थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

कर्क परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। निवेश में विवेक का प्रयोग करें। धनार्जन होगा।

सिंह कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें। रसोई में चोट लग सकती है। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। व्यापार–व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है।

कन्या विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार–व्यवसाय लाभदायक रहेगा। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी।

तुला आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय–व्यापार लाभदायक रहेगा। पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें। शारीरिक कष्ट के योग हैं। लापरवाही न करें।

वृश्चिक उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें। शरीर साथ नहीं देगा।

धनु कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। मान–सम्मान मिलेगा। कारोबारी अनुबंध होंगे। आशंका–कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है।

मकर व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे। अपनी देनदारी समय पर चुका पाएंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। धनार्जन होगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

कुंभ किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार–व्यवसाय लाभदायक रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल होगी। आय में वृद्धि होगी। घर–बाहर प्रसन्नता रहेगी। रोमांस के मामले में समय खुशनुमा रहेगा।

मीन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी। तनाव रहेगा। कुसंगति से हानि होगी। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रेम–प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन लग्न में दशम भाव में शनि-बृहस्पति युति : वैदिक ज्योतिषीय विश्लेषण

1. वैदिक ज्योतिष और सूर्य सिद्धांत का आधार

वैदिक ज्योतिष में मिथुन लग्न (तत्त्व–वायु, स्वामी–बुध) की कुण्डली में दशम भाव कर्म, व्यवसाय, यश, कार्यक्षेत्र में उपलब्धि और सामाजिक प्रतिष्ठा का सूचक है। दशम भाव का स्वामी मीन राशि का बृहस्पति होता है, जो ज्ञान, धर्म, नैतिकता, समृद्धि और गुरु-तत्त्व का कारक है। जब शनि (कर्म, अनुशासन, विलंब, धैर्य) और बृहस्पति (ज्ञान, विस्तार, शुभता) की युति दशम भाव में हो, तो यह एक गहन और बहुस्तरीय योग बनाता है। दोनों ग्रह प्रकृति से विपरीत हैं—एक संकुचनकारी, दूसरा विस्तारकारक—इसलिए इनका प्रभाव अत्यंत मिश्रित और गूढ़ होता है।

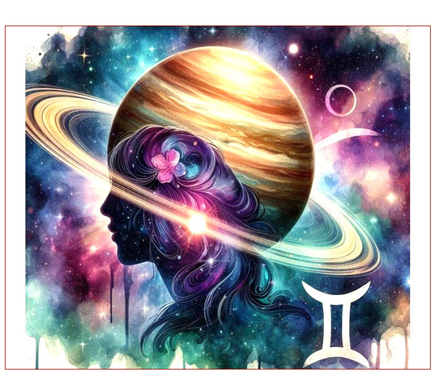

प्रियंका जैन
9769994439

सूर्य सिद्धांत के अनुसार, ग्रहों की स्थिति एवं गति का मानवीय जीवन पर सूक्ष्म प्रभाव पड़ता है। शनि-बृहस्पति की युति का प्रभाव उनकी राशिगत, नक्षत्रगत स्थिति और अंशीय दूरी पर निर्भर करता है।

यदि युति 0–2 के भीतर हो, तो यह अत्यंत प्रभावी (कई बार कष्टकारी) मानी जाती है।

यदि अंतर 5–10 हो, तो प्रभाव संतुलित व मिश्रित हो जाता है। यदि युति मीन राशि (बृहस्पति की स्वराशि) में हो, तो बृहस्पति का प्रभाव प्रबल होता है, किंतु शनि की धीमी प्रकृति विस्तार को नियंत्रित कर देती है। नक्षत्र (जैसे—पूर्वभाद्रपद, उत्तरभाद्रपद, रेवती) भी प्रभाव में विशेष भूमिका निभाते हैं।

2. ज्योतिषीय प्रभाव

(क) कर्म, करियर और व्यवसाय

शनि व्यक्ति में कठोर परिश्रम, समयबद्धता, अनुशासन और दीर्घकालिक लक्ष्य स्थापित करता है। बृहस्पति नीति, ज्ञान, नेतृत्व तथा सद्गुण प्रदान करता है।

इस युति से व्यक्ति निम्न क्षेत्रों में विशेष सफलता प्राप्त कर सकता है—

शिक्षा, अध्यापन, सलाहकारिता, विधि-क्षेत्र, प्रशासन, आध्यात्मिकता, समाज-सुधार, शोध, लेखन, संचार-कार्य।

यदि युति रेवती नक्षत्र में हो, जो बुध से संबंधित है, तो व्यापार, लेखन, भाषण कला, मीडिया, बौद्धिक कार्यों और संचार से जुड़ी गतिविधियों में उत्कृष्ट सफलता मिलती है।

(ख) लाभ बृहस्पति की शुभता दीर्घकालिक, स्थिर और विकासशील लाभ प्रदान करती है।

न्यूज़ ब्रीफ

मौलाना मदनी का बयान देश को बांटने वाला : शहाबुद्दीन रजवी

बरेली। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी के हालिया बयान को लेकर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रज़वी बरेलवी ने कड़ी आपत्ति जताई है। शनिवार को जारी बयान में रज़वी ने कहा कि मौलाना मदनी का वक्तव्य देश को बांटने और मुसलमानों को भड़काने वाला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय मुसलमान सुप्रीम कोर्ट सहित सभी अदालतों पर भरोसा रखते हैं और संसद जनता के हितों के लिए काम करती है। रज़वी ने यह भी कहा कि देश की अदालतें संविधान के दायरे में रहकर न्याय देती हैं और करोड़ों मुसलमान अदालतों के फैसलों का सम्मान करते हैं। ऐसे में मौलाना मदनी का बयान अमन-शांति के माहौल को प्रभावित करने वाला है। उन्होंने मुस्लिम समाज से अपील की कि भड़काऊ और निराधार बयानों से दूरी बनाए रखें। रज़वी ने कहा कि कुछ लोग अपने निजी उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समाज में विभाजन पैदा करना चाहते हैं, लेकिन भारतीय मुसलमान ऐसे बहकावे में आने वाले नहीं हैं। रज़वी ने मौलाना मदनी के बयान की कड़ी निंदा करते हुए सभी से कहा कि देश में शांति और भाईचारे को बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

कफ सिरप तस्करी पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने दी सफाई

जौनपुर। प्रदेश में कोडीन कफ सिरप तस्करी और अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद उठे विवाद के बीच पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने इसे अपने खिलाफ रची गई राजनीतिक साजिश करार दिया है। मामले में उनका नाम उछलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर सफाई जारी की है। शनिवार को फेसबुक पर पोस्ट किए संदेश में धनंजय सिंह ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक विरोधी पत्रकारों को भ्रमित कर उनका नाम इसमें जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मामला वाराणसी से संबंधित होने के कारण कांग्रेस समेत कुछ दलों के नेता इसे बेवजह तूल दे रहे हैं और प्रधानमंत्री की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। पूर्व सांसद ने कहा कि राज्य सरकार पूरे मामले की विभिन्न एजेंसियों से गंभीर जांच करा रही है और बहुत जल्द सच सामने आ जाएगा।

दिल्ली धमाका : इमाम से घंटों चली पूछताछ

नैनीताल। दिल्ली में हुए कार विस्फोट मामले की जांच उत्तराखण्ड तक पहुंच गई है। हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र से इमाम मौलाना मोहम्मद आसिम कासमी को हिरासत में लिए जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने प्रदेशभर में सतर्कता बढ़ा दी है। इसी क्रम में नैनीताल जिला मुख्यालय स्थित तल्लीताल क्षेत्र की छोटी मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद नईम से पुलिस, एलआईयू और स्वान टीम ने मस्जिद परिसर में ही कई घंटे तक पूछताछ की। टीम ने मस्जिद और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान भी चलाया। सूत्रों के अनुसार, हल्द्वानी में हिरासत में लिए गए इमाम आसिम कासमी और तल्लीताल के इमाम मौलाना नईम के बीच पारिवारिक संबंध होने की बात सामने आई है, जिसके मद्देनज़र पुलिस संभावित संपर्कों और नेटवर्क की जांच कर रही है। पूछताछ की जानकारी सामने आने के बाद क्षेत्र में हलचल का माहौल है।

कुख्यात अपराधियों की 139 लाख की संपत्ति कुर्क

लखनऊ और फिरोजाबाद में गैंग लीडरों की अवैध संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए लखनऊ और फिरोजाबाद में दो गैंग लीडरों की करोड़ों की अवैध संपत्ति कुर्क की। लखनऊ के चिनहट थाना और बीबीडी पुलिस टीम ने गैंग लीडर कुलदीप सिंह की 98.44 लाख रुपए की चल-अचल संपत्ति जब्त की। चिनहट थाना प्रभारी दिनेश चंद्र मिश्र ने बताया कि यह कार्रवाई 21 नवंबर को जारी आदेश के अनुपालन में की गई। पुलिस ने राधापुरम कॉलोनी, कंचनपुर मटियारी स्थित कुलदीप के घर के बाहर नोटिस बोर्ड भी लगाया, जिसमें चेतावनी दी गई है कि संपत्ति पर कब्जा करने या अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई होगी। कुलदीप सिंह पर 2023 में पीड़ित राम मिलन की बहू पूजा यादव की हत्या, धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कराने और आर्थिक लाभ अर्जित करने के गंभीर मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा भी दर्ज है।

मंशाराम पर दर्ज हैं 16 मुकदमे

फिरोजाबाद के शिकोहाबाद थाना पुलिस टीम ने गैंग लीडर मंशाराम की 41 लाख 07 हजार 615 रुपए की चल-अचल संपत्ति कुर्क की। शिकोहाबाद क्षेत्राधिकारी अरुण कुमार चौरसिया ने बताया कि मंशाराम ने अपने बेटे रोहित उर्फ आशु को गैंग का लीडर बनाया था। यह गिरोह बलवा, मारपीट, जान से मारने का प्रयास, अपहरण, छल-कपट और षड़यंत्र जैसे गंभीर अपराध कर अवैध धन अर्जित करता था। मंशाराम पर जिले के विभिन्न थानों में करीब 16 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने राजस्व टीम के सहयोग से कुर्की की कार्रवाई पूरी की और मौके पर नोटिस लगाकर सार्वजनिक रूप से घोषणा की।

विद्युत बिल राहत योजना में 100% ब्याज माफी

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार की विद्युत बिल राहत योजना 2025-26 1 दिसम्बर से लागू हो रही है। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने शनिवार को शक्तिभवन में इसकी तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को योजना के व्यापक प्रचार, नियमित मॉनिटरिंग और फील्ड निरीक्षण के साथ कार्यान्वयन के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि यह अब तक की सबसे उदार और समावेशी योजना है। इसमें पंजीकृत उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत ब्याज माफी और मूलधन पर 25 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। योजना के तहत घरेलू उपभोक्ताओं (2 किलोवाट तक) और दुकानदार उपभोक्ताओं (1 किलोवाट तक) को आसान किस्तों में भुगतान, औसत खपत के आधार पर बढ़े हुए बिलों में स्वतः कमी, और बिजली चोरी से जुड़े पुराने मामलों में भी राहत मिलेगी। ए. के. शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी डिस्कॉम, पावर कॉर्पोरेशन और ट्रांसमिशन निगम के अधिकारी प्रतिदिन फील्ड में निरीक्षण करें और डे-टू-डे रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें, ताकि उपभोक्ताओं को आवेदन, पंजीकरण या बिल संशोधन में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

28 फरवरी तक मिलेगा योजना का लाभ

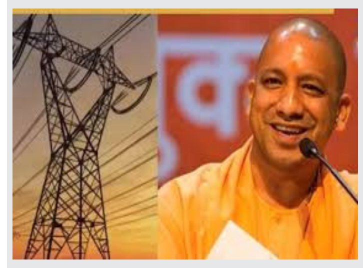

यह योजना आगामी 1 दिसम्बर से 28 फरवरी तक संचालित रहेगी और इस अवधि के दौरान घरेलू तथा वाणिज्यिक दोनों श्रेणियों के उपभोक्ताओं को महत्वपूर्ण राहत प्रदान करेगी। इस पहल का उद्देश्य सर्दियों के मौसम में बिजली उपभोग से उत्पन्न आर्थिक बोझ को कम करना तथा उपभोक्ताओं को सुगम और पारदर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना है। सरकार का यह प्रयास आम लोगों, छोटे व्यापारियों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को तत्काल लाभ देने के साथ-साथ ऊर्जा क्षेत्र में उपभोक्ता विश्वास को मजबूत करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उपभोक्ता इस योजना में पंजीकरण के लिए कई माध्यमों का उपयोग कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया अत्यंत सरल और सहज बन जाती है।

फरवरी में होंगी बिहार बोर्ड की परीक्षाएं, तिथि घोषित

एजेंसी | पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) ने वर्ष 2025-2026 सत्र की मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा की तारीखों की घोषणा कर दी है। बीएसईबी अध्यक्ष आनंद किशोर ने दोनों परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर दिया है। बिहार में मैट्रिक की परीक्षा 17 से 25 फरवरी तक होगी, जबकि इंटरमीडिएट की परीक्षा 2 से 13 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। बीएसईबी अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराने के लिए इस बार बोर्ड के द्वारा एआई का इस्तेमाल किया जायेगा। एआई के प्रयोग से गड़बड़ी पर रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि चैट बॉट के माध्यम से सभी प्रकार की सूचना छात्र-छात्राओं को मिलेंगी। इस बार भी तकनीकी प्रयोग किये जायेगे।मैट्रिक और इंटर के रिजल्ट इस बार भी सबसे पहले जारी होंगे।

संदिग्ध दशा में विवाहिता की मौत

एजेंसी | प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित फाफामऊ थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक विवाहिता की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। शनिवार को मायके वालों की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि फाफामऊ थाने को आज सुबह सूचना मिली कि पुराना फाफामऊ निवासी छाया देवी (24) पत्नी गोलू कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। इस सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच की है। जांच के दौरान उसकी मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया। इस संबंध में मृतका के मायके वालों से तहरीर लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। मृतका के मायके वालों कहना है कि उसके साथ कोई अनहोनी हुई है।

ट्रक सहित 7,240 लीटर सरसों तेल की चोरी का खुलासा

एजेंसी | औरैया

औरैया पुलिस ने सरसों तेल की बड़ी चोरी का पर्दाफाश करते हुए ट्रक चालक सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। चोरी की इस वारदात में खुद चालक की संलिप्तता सामने आई है, जिसने अपने साथियों के साथ मिलकर 7,240 लीटर सरसों तेल गायब कर दिया था। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने बताया कि 20 नवंबर को मुरैना (मध्य प्रदेश) निवासी परिवहन कर्मी अंकित गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि जय हनुमान ट्रांसपोर्ट की ओर से 1,705 टीन सरसों तेल ट्रक में लोड कर चालक रहमुद्दीन को गोरखपुर भेजा गया था, लेकिन ट्रक समय पर नहीं पहुंचा। चालक का फोन बंद मिलने पर मामला संदिग्ध मानकर कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। सर्विलांस टीम की जांच में पता चला कि चोरी किया गया ट्रक

कानपुर देहात में छिपाकर रखा गया है। पुलिस ने दबिश देकर चालक रहमुद्दीन को गिरफ्तार किया। उसकी जानकारी पर जालौन के अजनारी बाईपास स्थित एक मिल से तीन अन्य आरोपित—सौरभ, मनोज और मोहम्मद इशहाक—को क्रेटा कार और चोरी के तेल के साथ पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, बरामद तेल का बड़ा हिस्सा अलग-अलग ड्रम और टंकियों में छिपाया गया था। आरोपित तेल का कुछ भाग बेच भी चुके थे, जिससे प्राप्त 4.11 लाख रुपए भी जब्त किए गए। सभी आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और उन्हें जेल भेजा जा रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्रीप्रकाश जायसवाल का निधन

एजेंसी | कानपुर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व कोयला मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 81 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनकी मौत के बाद लाल बंगला पोखरपुर स्थित उनके निवास पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के नेता, साथ ही फिल्म अभिनेता श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, महापौर प्रमिला पांडेय, अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल, अभिनेता रजा मुराद, सपा विधायक अमिताभ बाजपेई, भाजपा विधायक महेश त्रिवेदी और कई अन्य नेता उनके अंतिम दर्शन के लिए मौजूद रहे। अपने राजनीति करियर में श्रीप्रकाश जायसवाल ने जमीनी स्तर पर कार्य किया और आम लोगों में विशेष लोकप्रियता हासिल की। उनके निधन की खबर मिलते ही उनके बड़े बेटे सिद्धार्थ जायसवाल, जो कनाडा में रहते हैं, भारत के लिए रवाना हो गए।

आज किया जाएगा अंतिम संस्कार

श्रद्धांजलि देने आए नेताओं ने उनके व्यक्तित्व की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि पार्टी भिन्न होने के बावजूद उनके साथ पारिवारिक संबंध थे और वे गंभीर व जिम्मेदार व्यक्ति थे। अपना दल की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने उन्हें कानपुर शहर का मसीहा बताते हुए कहा कि उनका जाना राजनीति के लिए बड़ी क्षति है। अभिनेता रजा मुराद ने बताया कि श्रीप्रकाश से उनका व्यक्तिगत संबंध था और उनके चले जाने से वे अत्यंत भावुक हैं। श्रीप्रकाश जायसवाल का अंतिम संस्कार रविवार को किया जाएगा। शव यात्रा सबसे पहले मेस्टन रोड स्थित कांग्रेस मुख्यालय पहुंचेगी, इसके बाद भैरव घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कानपुर की राजनीति में एक युग का अंत

कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे श्रीप्रकाश जायसवाल के निधन से कानपुर की राजनीति में एक युग का अंत हो गया। उन्होंने जनता के बीच ऐसी पहुंच बनाई थी कि कानपुर के इकलौते ऐसे सांसद बनने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया जो अभी तक कायम है। उन्होंने तीन बार लगातार 15 साल तक संसद में कानपुर का प्रतिनिधित्व किया और केन्द्र सरकार में राज्य, स्वतंत्र प्रभार एवं कैबिनेट मंत्री के रुप में भी जिम्मेदारियों का बखूबी से निर्वहन किया। हालांकि नरेन्द्र मोदी की लहर से अंत तक राजनीतिक रुप से उबर नहीं पाए, लेकिन लोगों के दिलों में बराबर राज करते रहे और अंतिम दर्शन के लिए उनके आवास पर चाहने वालों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

व्यापार जगत

HDFC बैंक पर 91 लाख रुपए का जुर्माना

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एचडीएफसी बैंक पर 91 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई बैंक द्वारा केवाईसी (अपने ग्राहक को जानो) मानकों सहित बैंकिंग विनियमन कानून के कुछ प्रावधानों का सही तरीके से पालन न करने पर की गई है। आरबीआई द्वारा शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया कि बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर से संबंधित शर्तों, वित्तीय सेवाओं में जोखिम प्रबंधन व आचार संहिता से जुड़े निर्देशों, और केवाईसी मानकों के अनुपालन में कई कमियां छोड़ीं। इन नियमों के उल्लंघन को गंभीर मानते हुए केंद्रीय बैंक ने जुर्माने की कार्रवाई को आवश्यक बताया।

बैंक ग्राहकों पर कोई प्रभाव नहीं

बैंक द्वारा दिए गए जवाब और प्रस्तुत अतिरिक्त जानकारी की समीक्षा करने के बाद आरबीआई ने माना कि उल्लंघन साबित होते हैं और मौद्रिक दंड लगाया जाना उचित है। यह कार्रवाई उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा और बैंकिंग प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि यह जुर्माना बैंक के ग्राहकों के साथ उसकी किसी विशेष लेनदेन या समझौते की वैधता पर प्रभाव नहीं डालता।

विवेक चतुर्वेदी होंगे सीबीआईसी के नये चेयरमैन

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का चेयरमैन नियुक्त किया है। वह संजय कुमार अग्रवाल की जगह लेंगे, जो 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की ओर से जारी एक आदेश के मुताबिक मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने विवेक चतुर्वेदी की सीबीआईसी के चेयरमैन पद पर नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। विवेक चतुर्वेदी 1990 बैच के भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी (सीमा शुल्क और अप्रत्यक्ष कर) और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी)

के सदस्य हैं। चतुर्वेदी सीबीआईसी के सदस्य बनने से पहले विभाग में प्रधान महानिदेशक 'विजिलेंस' थे। वह अभी सीबीआईसी बोर्ड (टैक्स पॉलिसी और लीगल) के मेंबर के तौर पर काम कर रहे हैं। वे इस साल अगस्त में विवेक रंजन के सेवानिवृत्त होने के बाद बोर्ड में शामिल हुए।

GDP में दमदार उछाल, दूसरी तिमाही में 8.2% की बढ़ोत्तरी

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार के आर्थिक सुधारों और विनिर्माण क्षेत्र को मिले प्रोत्साहन का सीधा असर अब आंकड़ों में भी दिखने लगा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर) में भारत की जीडीपी 8.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि के साथ नई रफ्तार पकड़ती नजर आई है। यह जानकारी केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को दी। गुजरात के वडोदरा में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित 'नेशनल पदयात्रा' में हिस्सा लेने पहुंचे पीयूष गोयल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार द्वारा व्यापार सुगमता बढ़ाने के लिए उठाए गए अनेक कदमों, नीतिगत सुधारों और विनिर्माण क्षेत्र को दी गई विशेष बढ़त का यह सकारात्मक परिणाम है।

सरदार पटेल की दूरदर्शिता से बना भारत

पीयूष गोयल ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि वडोदरा में आयोजित 'यूनिटी मार्च' में शामिल होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने सरदार पटेल की विरासत को याद करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता और दृढ़ निश्चय ने देश को एकता का स्वरूप दिया।

भारत में M&A (विलीनीकरण-अधिग्रहण) में ज़बरदस्त उछाल

एजेंसी | नई दिल्ली

वर्तमान वर्ष की पहली तीन तिमाहियों (जनवरी–सितंबर 2025) में भारत में विलीनीकरण-अधिग्रहण (M&A) का सौदा-परिसर असाधारण रूप से सक्रिय रहा है। EY India की रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में कुल 649 लेनदेन हुए, जिनकी कुल राशि करीब यूएस$ 26 बिलियन रही — जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से लगभग 37 % अधिक है। इस प्रवृत्ति की प्रमुख विशेषता यह है कि सिर्फ बड़े सौदों (mega-deals) या वार्षिक लेनदेन ही नहीं, बल्कि मध्य और छोटे स्तर के कई सौदों (mid-sized deals), निजी इक्विटी निवेश (private equity), वित्तीय क्षेत्र (banking and financial services), टेक्नोलॉजी और ऑटोमोबाइल जैसे विविध क्षेत्रों का मजबूत समावेश रहा। विशेष रूप

से वित्तीय क्षेत्र में इस उछाल की गूंज सबसे ज़्यादा सुनाई देती है। इस साल जनवरी-सितंबर के दौरान विदेशी बैंक तथा फंड्स ने भारत के कई निजी बैंक और वित्तीय संस्थानों में बड़े निवेश किए। उदाहरण के लिए, दुबई की Emirates NBD ने भारत के निजी बैंक RBL Bank में 60% हिस्सेदारी लेने की घोषणा की, जो भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए अब तक की सबसे बड़ी विदेशी अधिग्रहणों में से एक है।

फिक्की में नया नेतृत्व: अनंत गोयनका अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के प्रमुख उद्योग संगठन फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) में शनिवार को नेतृत्व परिवर्तन हुआ। आरपीजी ग्रुप के वाइस चेयरमैन अनंत गोयनका ने वर्ष 2025–26 के लिए फिक्की के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने इमामी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन एवं एमडी हर्षवर्धन अग्रवाल का स्थान लिया है। यह जानकारी संस्था द्वारा जारी आधिकारिक बयान में दी गई। फिक्की के अनुसार अनंत गोयनका का शैक्षणिक और कॉर्पोरेट अनुभव उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कैलॉग स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से एमबीए और यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिल्वेनिया के व्हार्टन स्कूल से अर्थशास्त्र में बीएस की डिग्री प्राप्त की है। नई नेतृत्व टीम में दो अतिरिक्त बदलाव भी किए गए

हैं। द सनमार ग्रुप के चेयरमैन विजय शंकर ने फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पद संभाला है, जबकि डालमिया भारत लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ पुनीत डालमिया को संगठन का नया उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नई टीम आगामी एक वर्ष तक औद्योगिक नीति, निवेश, कारोबारी माहौल और आर्थिक विकास से जुड़े मुद्दों पर उद्योग जगत की आवाज बनकर फिक्की का नेतृत्व करेगी।

वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत की अर्थव्यवस्था

एजेंसी | नई दिल्ली

साल 2025 में वैश्विक आर्थिक मंदी, व्यापार युद्ध और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता के बीच भी, World Bank और कई अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि भारत की आर्थिक वृद्धि (GDP ग्रोथ) इस वित्तीय वर्ष में लगभग 6.3% बनी रहेगी। हालाँकि, दुनियाभर में रुझान मंदी के हैं — विनिर्माण क्षेत्र बंदी का सामना कर रहा है, निवेश कम हो रहे हैं — पर भारत में घरेलू मांग, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, सेवा-क्षेत्र तथा निर्माण क्षेत्र की मजबूती इस गिरावट का प्रभाव कम करने में मदद कर रही है। विशेष रूप से निर्यात-व्यापार में पिछले कुछ महीनों में चुनौतियाँ आई हैं — उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2025 में भारत के कुल निर्यात में एक स्पष्ट गिरावट दर्ज की गई, जो वैश्विक मांग में कमजोरी, बढ़ती लॉजिस्टिक्स लागत और ट्रेड टैरिफ में वृद्धि जैसी वजहों से है। फिर भी, निवेश, M&A गतिविधियाँ, विदेशी निवेश प्रवाह और आंतरिक उपभोग की मजबूती दिखाती है कि भारत न केवल अपने घरेलू आर्थिक ढांचे को मजबूत कर रहा है, बल्कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद अपनी आर्थिक गति बनाए रखने में सक्षम है। इसने निवेशकों और अर्थशास्त्रियों दोनों का भरोसा कायम रखा है, जिससे भारत के लिए दीर्घकालीन विकास की संभावनाएँ अभी भी मजबूत बनी हुई हैं।

यूईएफए महिला नेशंस लीग

मैड्रिड में होगी खिताबी भिड़ंत

पहले चरण में जर्मनी–स्पेन का मुकाबला बिना गोल के ड्रा

कैसरस्लॉटर्न। यूईएफए महिला नेशंस लीग फाइनल के पहले चरण में शुक्रवार को जर्मनी और मौजूदा विश्व चैंपियन स्पेन के बीच खेले गए मुकाबले का नतीजा गोलरहित ड्रॉ रहा। स्पेन की गोलकीपर काता कॉल मैच की स्टार रहीं, जिन्होंने कई अहम मौकों पर शानदार बचाव करते हुए जर्मनी की आक्रमण पंक्ति को गोल से दूर रखा। अब दोनों टीमों के बीच खिताब का फैसला मंगलवार को मैड्रिड में होने वाले निर्णायक मुकाबले में होगा।

मैच के दौरान जर्मनी ने गेंद पर दबदबा बनाए रखा और लगातार आक्रामक रुख अपनाया। हालांकि स्पेन ने मजबूत रक्षात्मक दीवार खड़ी करते हुए जर्मन खिलाड़ियों के प्रयासों को बार-बार नाकाम किया। जर्मनी की स्टार फॉरवर्ड क्लारा ब्यूहल को पहले हाफ में चार बेहतरीन मौके मिले, लेकिन वे उन्हें गोल में नहीं बदल सकीं। उन्होंने मैच के बाद कहा—"हमने बहादुरी से खेला, लेकिन गोल न कर पाना निराशाजनक है। मैड्रिड में हम और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।"

जर्मन कोच क्रिश्चियन वुक ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों ने साबित किया कि वे स्पेन जैसी सशक्त टीम के खिलाफ दमदार चुनौती पेश कर सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि गोल के कई अवसर बर्बाद होना टीम के लिए खटकने वाली बात रही।

रिजल्ट में नहीं बदल पाया गोल का मौका

स्पेन की ओर से भी कुछ मौके बने। दूसरे हाफ में एस्तेर गोंज़ालेज़ का शॉट पोस्ट से टकराया, जो स्पेन के लिए सबसे करीब का अवसर था। वहीं जर्मनी की ओर से 71वें मिनट में ब्यूहल का शानदार प्रयास भी पोस्ट से बाहर चला गया। अंतिम क्षणों में जूल ब्रांड द्वारा बनाए मौके को स्योके नुस्केन भुना सकती थीं, लेकिन काता कॉल समय रहते आगे बढ़कर गेंद को सुरक्षित कर ले गईं।

मुकाबले में हावी दिखी जर्मनी की टीम

यूरो 2025 के सेमीफाइनल में स्पेन से मिली हार का बदला लेने उतरी जर्मन टीम पूरे मुकाबले में हावी दिखी, मगर गोल की कमी ने उनकी कोशिशों पर पानी फेर दिया। दूसरी ओर, स्पेन की कोच सोनिया बर्मुडेज़ ने भले ही सेमीफाइनल जैसे सावधान खेल से इनकार किया हो, लेकिन टीम का प्रदर्शन रक्षात्मक रणनीति पर ही टिका नजर आया। अब खिताब की वास्तविक तस्वीर मंगलवार शाम मैड्रिड में साफ होगी, जहां दोनों टीमें जीत के लिए पूरी ताकत झोंकेंगी।

सुल्तान अज़लान शाह कप

फाइनल में भारत

राउंड-रोबिन चरण के अंतिम मुकाबले में कनाडा को 14-3 से रौंदा

इपोह (मलेशिया)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने सुल्तान अज़लान शाह कप 2025 में अपना दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को राउंड-रोबिन चरण के अंतिम मुकाबले में कनाडा पर 14-3 की एकतरफा जीत दर्ज की। इस धमाकेदार जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है।

भारत के डिफेंडर जुगराज सिंह टीम के हीरो रहे। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी स्ट्रोक से कुल चार गोल किए। इसके अलावा अभिषेक, अमित रोहिदास और राजिंदर सिंह ने दो-दो गोल, जबकि सेल्वम कार्ती, निलकांत शर्मा, संजय और दिलप्रीत सिंह ने एक-एक गोल दागा।

इस जीत से भारत ने अंक तालिका में शीर्ष दो में स्थान सुरक्षित कर लिया है, चाहे दिन के बाकी मुकाबलों के नतीजे कुछ भी हों। कोच क्रेग फुल्टन की अगुवाई में खेल रही टीम का सामना फाइनल में संभवतः बेल्जियम से होगा—वही टीम जिसने राउंड-रोबिन में भारत को एकमात्र हार दी थी।

10 अंकों के साथ शीर्ष पर है बेल्जियम

फिलहाल बेल्जियम 10 अंकों के साथ शीर्ष पर है और शनिवार देर शाम उसका मुकाबला न्यूजीलैंड से होना है, जिसके सात अंक हैं। हालांकि न्यूजीलैंड के पास फाइनल की दौड़ में शामिल होने की हल्की संभावना है, लेकिन इसके लिए उसे बड़ी—कम से कम छह गोल के अंतर से—जीत चाहिए।

भारत की इस जोरदार जीत ने न सिर्फ फाइनल की राह आसान की है बल्कि टीम के आत्मविश्वास को भी चरम पर पहुंचा दिया है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा डब्ल्यूपीएल 2026: नौ जनवरी से पांच फरवरी तक खेले जाएंगे मुकाबले

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टाटा विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। टूर्नामेंट का चौथा संस्करण 9 जनवरी से 5 फरवरी 2026 तक खेला जाएगा। इस बार सभी मुकाबले नवी मुंबई और वडोदरा में आयोजित होंगे, जहां देश और दुनिया की शीर्ष महिला क्रिकेटर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी।

सीजन की शुरुआत 9 जनवरी को नवी मुंबई में होने वाले बहुप्रतीक्षित ओपनर से होगी, जिसमें मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। नवी मुंबई में 9 से 17 जनवरी के बीच 11 मैच खेले जाएंगे, जो लीग के शुरुआती दौर को बेहद रोचक बनाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का अगला चरण वडोदरा में होगा, जहां शेष 11 लीग मैचों के साथ-साथ प्लेऑफ भी होंगे। वडोदरा में पहला मुकाबला गुजरात जायंट्स बनाम आरसीबी के बीच खेला जाएगा। इसके बाद 2025 के उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई के बीच हाई-वोल्टेज मुकाबला फैन्स का ध्यान खींचेगा। लीग चरण 1 फरवरी को समाप्त होगा, जिसके बाद एक दिन का विश्राम रखा गया है।

एलिमिनेटर तीन फरवरी, पांच को मिलेगा विजेता

एलिमिनेटर 3 फरवरी को खेला जाएगा, जिसमें अंक तालिका में दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें भिड़ेंगी। विजेता टीम 5 फरवरी को वडोदरा में होने वाले फाइनल में शीर्ष टीम से खिताबी मुकाबला खेलेगी, जहां नए डब्ल्यूपीएल चैंपियन का ताज पहनाया जाएगा।

रन चेज़ से ही ऐशेज़ में वापसी का रास्ता: माइकल वॉन

एजेंसी । नई दिल्ली

डे-नाइट टेस्ट में पहले बल्लेबाजी को आमतौर पर जीत की कुंजी माना जाता है, लेकिन इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का मानना है कि ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर ऐशेज़ सीरीज को 1-1 से बराबर करने के लिए इंग्लैंड को लक्ष्य का पीछा करना होगा। उनकी राय इंग्लैंड की हालिया रणनीति और टीम के सफल रन चेज़ रिकॉर्ड से मेल खाती है।

ब्रेंडन मैकुलम के कोच बनने के बाद इंग्लैंड ने आक्रामक क्रिकेट की नई पहचान बनाई है। इस दौरान टीम दो बार 350+ के लक्ष्य (373 और 378 बनाम भारत) हासिल कर चुकी है—ये इंग्लैंड के इतिहास के सबसे बड़े सफल रन चेज़ हैं। हाल ही में टीम 374 के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत से केवल छह रन से चूकी थी। इंग्लैंड दो और मौकों पर 290+ का स्कोर भी चेज़ कर चुका है।

वॉन ने ऑस्ट्रेलियन एसोसिएटेड प्रेस से कहा, "अगर इंग्लैंड को गाबा में जीतना है, तो उन्हें वही आक्रामक खेल दिखाना होगा। दिलचस्प बात यह है कि इसका सबसे अच्छा मौका उन्हें तभी मिलेगा जब वे टॉस हारकर लक्ष्य का पीछा करें। यह बल्लेबाजी लाइन-अप टारगेट देखकर ज्यादा सहज खेलती है, जबकि पहली पारी में अक्सर उलझन में पड़ जाती है।"

डे-नाइट टेस्ट में टॉस की भूमिका अहम

अब तक खेले गए 45 डे-नाइट टेस्ट में से 27 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। इंग्लैंड भी मैकुलम के कार्यकाल में अक्सर गेंदबाजी चुनता रहा है—16 बार टॉस जीतकर गेंदबाजी और केवल 7 बार बल्लेबाजी। हालांकि डे-नाइट टेस्ट में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनकर जीत दर्ज करने वाली एकमात्र टीम न्यूजीलैंड है, जिसने 2018 में ऑकलैंड में इंग्लैंड को मात दी थी।

वॉन का कहना है कि इस स्थिति में टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनना जोखिम भरा कदम होगा। "डे-नाइट टेस्ट में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना सुरक्षित विकल्प है। दिन की रोशनी में बल्लेबाजी का फायदा मिलता है और फिर शाम की रोशनी में गेंदबाजों का प्रभाव बढ़ता है।

पिच इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के अनुकूल

वॉन ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण की जमकर तारीफ की। जॉफ्रा आर्चर, मार्क वुड, गस एटकिंसन, ब्राइडन कार्स और बेन स्टोक्स की पांच सदस्यीय तेज गेंदबाजी यूनिट पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को कड़ी चुनौती दे चुकी है। वॉन के मुताबिक, यह इंग्लैंड की ऐसी टीम है जिसके पास ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में सफल होने के लिए सबसे उपयुक्त हथियार हैं। यहां स्पिन से ज्यादा तेज गेंदबाजों का प्रभाव रहता है। वॉन ने इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर—जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स और जेमी स्मिथ—को टीम की सबसे बड़ी ताकत बताया।

प्रीमियर लीग 2025-26

अहम भिड़ंत से पहले चेल्सी को बड़ी मजबूती

लंदन। चेल्सी के लिए राहत की बड़ी खबर सामने आई है। टीम के स्टार फॉरवर्ड कोल पामर अब पूरी तरह फिट हैं और इस सप्ताहांत आर्सेनल के खिलाफ होने वाले शीर्ष मुकाबले में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। मैनेजर एंज़ो मारेस्का ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पामर की वापसी से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। पामर 20 सितंबर से टीम से बाहर थे—पहले ग्रोइन इंजरी और बाद में पैर की अंगुली में फ्रैक्चर की वजह से। करीब दो महीने बाद उनकी वापसी को चेल्सी की आक्रमण पंक्ति के लिए बड़ा संबल माना जा रहा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मारेस्का ने कहा, सभी खिलाड़ी खुश हैं और सबसे जरूरी बात यह कि कोल खुद खुश हैं।

अंक तालिका में दूसरे स्थान पर चेल्सी

कोच मारेस्का ने आगे कहा, वे शायद हमारे सबसे अहम खिलाड़ी हैं। उनकी मौजूदगी टीम को संतुलन देती है। अब हमारा लक्ष्य उन्हें धीरे-धीरे पूर्ण फिटनेस पर लाना है। हमें विश्वास है कि आने वाले हफ्तों में वे अपनी लय वापस पा लेंगे। वर्तमान में चेल्सी प्रीमियर लीग अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है और आर्सेनल से छह अंक पीछे है।

बॉ ली वु ड

गोवा में IFFI 2025 का समापन

रजनीकांत को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

गोवा में चले IFFI 2025 का समापन हो गया है और हमेशा की तरह इस बार भी समारोह ने दर्शकों को कई यादगार पल दिए। 9 दिनों तक चले इस फेस्टिवल में दुनियाभर के कई फिल्मकार और कलाकार शामिल हुए। रजनीकांत को उनके करियर और योगदान के लिए बड़ा सम्मान मिला, वहीं वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स 2' ने भी बेस्ट वेब सीरीज का खिताब जीतकर सबका ध्यान खींच लिया। इस प्रतिष्ठित फिल्म महोत्सव में किसे कौन-सा सम्मान मिला, आइए जानें।

रजनीकांत को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

रजनीकांत को भारतीय सिनेमा में 50 साल पूरे करने पर लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया। जब अभिनेता गोवा पहुंचे थे तो होटल के कर्मचारियों और प्रशंसकों ने उनका बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया था। सोशल मीडिया पर आए वीडियो में रजनीकांत ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच विनम्रता से फैंस का अभिवादन करते नजर आए। उनका परिवार भी समारोह में शामिल हुआ था। इस पुरस्कार के लिए रजनीकांत ने देश की सरकार का दिल से धन्यवाद किया।

'बंदिश बैंडिट्स सीजन 2' को चुना गया बेस्ट वेब सीरीज

IFFI 2025 में इस बार पहली बार OTT श्रेणी में भी पुरस्कार दिया गया। डिजिटल कंटेंट की बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों की बदलती पसंद को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव ने वेब कंटेंट को सम्मान देने का ये बड़ा कदम उठाया। इसी नई श्रेणी में सबसे पहला पुरस्कार ऋत्विक भौमिक, श्रेया चौधरी, शीबा चड्ढा, अतुल कुलकर्णी अमेजन प्राइम की चर्चित वेब सीरीज 'बंदिश बैंडिट्स सीजन 2' ने, जिसे बेस्ट वेब सीरीज के खिताब से सम्मानित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का खिताब किसे मिला?

IFFI में इस साल का गोल्डन पीकॉक अवॉर्ड वियतनामी फिल्म 'स्किन ऑफ यूथ' को मिला। फिल्म की निर्देशक एश मेफेयर और एक्ट्रेस ट्रान क्वान ने मंच पर यह सम्मान लिया। सिल्वर पीकॉक फॉर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (मेल) पुरस्कार उबाइमर रियोस को फिल्म 'ए पोएट' के लिए दिया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान जारा सोफिजा ओस्टान को मिला। मराठी फिल्म 'गोंधल' के निर्देशक संतोष दवाखर को सर्वश्रेष्ठ (सिल्वर पीकॉक) पुरस्कार से नवाजा गया।

'केसरी चैप्टर 2' के निर्देशक को मिला ये पुरस्कार

नॉर्वे की फिल्म 'सेफ हाउस' को ICFT-UNESCO गांधी मेडल दिया गया। इस फिल्म की तारीफ इंसानियत और सही-गलत के बीच के संघर्ष को अच्छी तरह दिखाने के लिए की गई। इंडियन पैनोरमा सेक्शन में इस साल 25 फीचर फिल्में, 20 नॉन-फीचर फिल्में और 5 डेब्यू फीचर्स शामिल थीं।

शादी की दूसरी सालगिरह पर रणदीप हुड्डा-लिन लैशराम ने दी बड़ी खुशखबरी

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम ने अपनी शादी की दूसरी सालगिरह को बेहद खास बना दिया। इस कपल ने फैन्स को वह खुशखबरी दे दी है, जिसका उन्हें लंबे समय से इंतजार था। अपनी एनिवर्सरी पर दोनों ने सोशल मीडिया पर एक प्यारा सा पोस्ट शेयर करते हुए यह ऐलान किया कि उनके घर जल्द ही एक नन्हा मेहमान आने वाला है। शादी से लेकर अब तक यह जोड़ी अपने प्रेम, रोमांस और साहसिक सफर के लिए जानी जाती रही है, और अब उनकी जिंदगी में एक नया और खूबसूरत अध्याय जुड़ने जा रहा है।

कैसे शुरू हुई रणदीप और लिन की कहानी?

इन दोनों का रिश्ता थिएटर की दुनिया से शुरू हुआ। रणदीप और लिन की पहली मुलाकात नसीरुद्दीन शाह के थिएटर ग्रुप 'मोटली' में हुई थी। धीरे-धीरे दोस्ती ने गहरा रूप ले लिया और फिर प्यार पनपने लगा। लॉकडाउन के दौरान दोनों साथ रहे और उनका रिश्ता और मजबूत होता चला गया।

रणदीप का इमोशनल एनिवर्सरी पोस्ट

रणदीप हुड्डा और लिन ने 29 नवंबर 2023 को इंफाल में पारंपरिक मणिपुरी रीतिरिवाजों के साथ शादी की थी। सालगिरह के मौके पर दोनों ने अपनी एक खूबसूरत तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, दो साल प्यार, रोमांच और अब एक नन्हा शरारती मेहमान रास्ते में है। पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैन्स, सेलिब्रिटीज और दोस्तों ने इस कपल को ढेर सारी शुभकामनाएं देना शुरू कर दिया। खुशी से झूम रहे रणदीप अब पिता बनने की तैयारी में हैं और इसे लेकर बेहद उत्साहित दिखाई दे रहे हैं। रणदीप और लिन की उम्र में 10 साल का अंतर है। जहां रणदीप 49 साल के हैं, वहीं लिन 39 की हैं। शादी से पहले रणदीप ने कहा था कि उनकी दो ही बड़ी इच्छाएं हैं, बहुत सारे बच्चे और बहुत सारी खुशियां। वे लिन के साथ अपनी लंबे समय की दोस्ती को आगे बढ़ाकर परिवार बनाते देख बेहद खुश हैं।

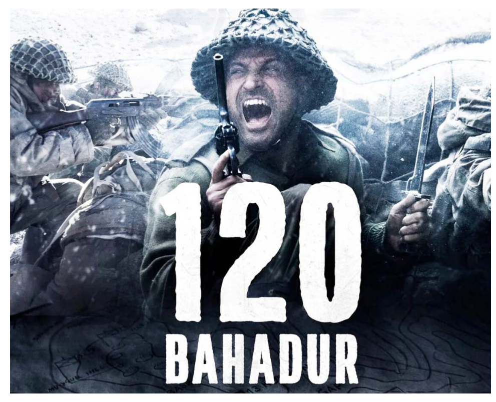

राजस्थान में टैक्स फ्री हुई '120 बहादुर'

दिल्ली के बाद राजस्थान सरकार ने फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर को टैक्स फ्री कर दिया है। फिल्म 1962 में रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है। राजस्थान में फिल्म के टैक्स फ्री होने पर फरहान अख्तर ने भी रिएक्ट किया है। उन्होंने राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा को धन्यवाद करते हुए एक्स पर एक पोस्ट लिखा है।

'तेरे इश्क में' करेगी उम्मीद से बढ़कर कमाई!

बॉलीवुड एक्टर धनुष और कृति सैनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' बॉक्स ऑफिस पर इस शुक्रवार को रिलीज होने जा रही है। फिल्म के लिए जमकर एडवांस बुकिंग हो रही है और कमाई के आंकड़े बता रहे हैं कि इसका पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन ग्राफ एक्सपर्ट्स के अनुमान से भी

ऊपर जाने वाला है। ट्रेड एक्सपर्ट्स ने रिलीज के पहले अपना अनुमान बताया था कि फर्स्ट वीक में फिल्म कितनी कमाई कर सकती है, लेकिन एडवांस बुकिंग के आंकड़े कुछ और ही गणित बता रहे हैं। फिल्म ने 16 करोड़ रुपये का बिजनेस किया और दूसरे दिन खबर लिखे जाने तक फिल्म 7 करोड़ 68 लाख रुपये की कमाई कर चुकी है। फिल्म की अभी तक की कुल कमाई 23 करोड़ 68 लाख रुपये की कमाई हो चुकी है। 'रांझणा' यूनिवर्स की इस फिल्म को क्रिटिक्स ने भी काफी सराहा है। फिल्म की IMDb रेटिंग 7.5 रही है। फिल्म की कमाई का ग्राफ आने वाले वक्त में काफी तेजी से ऊपर जाने की संभावना है। क्योंकि इसे माउथ पब्लिसिटी का भी फायदा मिलेगा। सुमित कादेल ने अपनी एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था कि फिल्म पहले वीकेंड में 50 से 60 करोड़ रुपये के बीच कमाई कर लेगी और इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 65 से 70 करोड़ रुपये के बीच रह सकता है। लेकिन जिस हिसाब से फिल्म को देश और दुनिया भर में काफी पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है, उससे लगता है कि बड़े आराम से यह एक्सपर्ट के बताए आंकड़े को पार कर जाएगी।

नौसेना को मिला एक और स्टेल्थ फ्रिगेट

▶▶ नीलगिरि श्रेणी का चौथा स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' नौसेना के बेड़े में शामिल

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को और अधिक मजबूत करते हुए भारतीय नौसेना को शनिवार को नीलगिरी श्रेणी का चौथा स्वदेशी एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' औपचारिक रूप से सौंप दिया गया। मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) में निर्मित यह युद्धपोत प्रोजेक्ट 17-ए के तहत बनी अत्याधुनिक फ्रिगेट श्रृंखला का हिस्सा है, जिसे पूरी तरह भारतीय डिजाइन और निर्माण कौशल के आधार पर तैयार किया गया है। इस परियोजना में एमडीएल सात और जीआरएसई चार फ्रिगेट का निर्माण कर रहा है। इनमें से 'उदयगिरि' इसी वर्ष जुलाई में नौसेना को सौंपा जा चुका है।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम

'तारागिरी' का नौसेना में शामिल होना रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। प्रोजेक्ट 17-A के तहत तैयार किए जा रहे ये फ्रिगेट्स मल्टी-मिशन प्लेटफॉर्म हैं, जो समुद्री क्षेत्र में उभरती आधुनिक चुनौतियों और भविष्य के खतरों से निपटने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

मजबूत समुद्री विरासत की अगली कड़ी

नया 'तारागिरी' अपने पूर्ववर्ती लिएंडर-क्लास फ्रिगेट आईएनएस तारागिरी की आधुनिक विरासत को आगे बढ़ाता है, जो 1980 से 2013 तक नौसेना की रीढ़ रहा। आधुनिक 'तारागिरी' स्टेल्थ और सर्वाइवेबिलिटी में बड़ी तकनीकी छलांग पेश करता है, जो भारतीय डिज़ाइन क्षमताओं और वॉरशिप निर्माण में उच्च स्तर की प्रगति का संकेत है।

रोजगार और स्वदेशीकरण का बड़ा लाभ

पिछले दो जहाजों के अनुभव से निर्माण प्रक्रिया में तेज़ी आई है, जिसके कारण 'तारागिरी' के निर्माण समय में 81 महीने की कमी की गई है। परियोजना में करीब 75% स्वदेशीकरण है और 200 से अधिक एमएसएमई शामिल हुए हैं। इससे लगभग 4,000 लोगों को प्रत्यक्ष और 10,000 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला। आने वाले वर्षों में प्रोजेक्ट 17-A के बाकी तीन फ्रिगेट 2026 तक नौसेना को सौंपे जाएंगे।

आधुनिक हथियारों से लैस उन्नत युद्धपोत

- एमडीएल के अनुसार तारागिरी में कई आधुनिक हथियार और सेंसर लगाए गए हैं।
- जो पहले के प्रोजेक्ट-17 फ्रिगेट्स की तुलना में काफी उन्नत हैं।
- इसमें सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल प्रणाली लगाई गई है।
- मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें
- 76 मिमी नौसैनिक गन भी माउंट की गई है।
- 30 मिमी और 12.7 मिमी रैपिड फायर हथियार प्रणाली

सामरिक रक्षा में नौसेना की भूमिका निर्णायक : सीडीएस चौहान

एजेंसी । एझिमाला (केरल)

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि भारत एक महाद्वीपीय शक्ति होने के साथ-साथ समुद्री ताकत भी है और आने वाले समय में देश की रणनीतिक दिशा और सुरक्षा का बड़ा हिस्सा समुद्री क्षेत्र में ही तय होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भविष्य में सैन्य शक्ति के किसी भी उपयोग में भारतीय नौसेना की भूमिका केंद्रीय और अत्यंत महत्वपूर्ण होने जा रही है। शनिवार को भारतीय नौसेना अकादमी, एझिमाला में आयोजित पासिंग आउट परेड (पीओपी) की समीक्षा करते हुए सीडीएस ने नव-नियुक्त अधिकारियों को पेशेवर उत्कृष्टता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने कहा, "युद्ध के मैदान में अक्षमता की कीमत जान देकर चुकानी पड़ती है। इसलिए प्रशिक्षण के दौरान सीखी गई दक्षताओं को करियरभर निखारते रहें।

तकनीक ने बदल दी सैन्य रणनीति

अपने संबोधन में जनरल चौहान ने कहा कि जब उन्होंने सेवा शुरू की थी, तब सैन्य रणनीति का बड़ा हिस्सा भौगोलिक परिस्थितियों पर निर्भर था, लेकिन आधुनिक दौर में तकनीक ने भूगोल को पीछे छोड़ दिया है। आज तकनीक ही सैन्य रणनीति, ऑपरेशनल प्लानिंग और टैक्टिकल निर्णयों तक को प्रभावित कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले वर्षों में युद्ध कई आयामों में फैलेंगे और इनमें अकेली कोई भी सेवा सफलता हासिल नहीं कर सकती। भविष्य के युद्ध संयुक्त प्रयासों से लड़े जाएंगे। तीनों सेनाओं के बीच इंटीग्रेशन और संयुक्तता हमारी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

अंतरराष्ट्रीय साझेदारी का प्रदर्शन

रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस वर्ष की परेड खास रही, क्योंकि इसमें बांग्लादेश, मालदीव, मोजाम्बिक, म्यांमार, सेशेल्स, श्रीलंका और वियतनाम के प्रशिक्षुओं ने हिस्सा लिया। इससे भारत की समुद्री साझेदारियों और क्षेत्रीय सहयोग की मजबूती का संदेश गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नौसेना अधिकारी, गणमान्य अतिथि, अभिभावक और प्रशिक्षक मौजूद रहे। पीओपी में उत्कृष्ट कैडेटों को पदक और ट्रॉफियां प्रदान की गईं, परेड की औपचारिक समीक्षा हुई और स्ट्राइप्स की शिपिंग के साथ कैडेटों का अधिकारी रूप में औपचारिक कमीशन पूरा हुआ।

न्यूज़ ब्रीफ

अफगान पासपोर्ट पर नहीं मिलेगा अमेरिकी वीजा

वॉशिंगटन। अमेरिका ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए अफगान पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले सभी लोगों को वीजा जारी करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह कदम व्हाइट हाउस के पास हुई गोलीबारी की घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें 26 नवंबर को एक अफगान नागरिक द्वारा दो सुरक्षा गार्डों को गोली मार दी गई थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि नई व्यवस्था के तहत अफगान पासपोर्ट पर किसी भी श्रेणी का वीजा फिलहाल जारी नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्पष्ट निर्देशों के तहत यह रोक लगाई गई है और अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए संकेत दिया कि अमेरिका तीसरी दुनिया से आने वाले प्रवासियों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा व्यवस्था को पुनर्स्थापित करने के लिए ऐसे कदम आवश्यक हैं। साथ ही यह भी घोषणा की कि अमेरिका में मौजूद गैर-नागरिकों को दिए जाने वाले संघीय लाभ और सब्सिडी पर भी रोक लगाई जाएगी।

लारेंस के भाई अनमोल की हिरासत अवधि बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई की एनआईए हिरासत सात दिन और बढ़ा दी है। अनमोल की हिरासत शनिवार को खत्म हो रही थी, जिसके बाद कोर्ट में पेश किया गया। एनआईए ने कोर्ट से हिरासत बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि अनमोल से अभी और पूछताछ जरूरी है। अनमोल को 19 नवंबर को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। वह महाराष्ट्र के एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का आरोपित है और उसके खिलाफ देशभर में 22 मामले लंबित हैं। अनमोल पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या की जांच में भी आरोपी है। मूसेवाला की हत्या के बाद वह 2022 में अमेरिका भाग गया था, लेकिन शरण की उसकी मांग अस्वीकार होने के बाद उसे भारत लाया गया और गिरफ्तार किया गया।

महमूद मदनी के बयान पर बवाल, BJP ने बताया सफेदपोश आतंक

नई दिल्ली। जमीयत उलमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने जिहाद और तीन तलाक को लेकर विवादित बयान दिया, जिसके बाद देशभर में राजनीति गरमा गई है। भोपाल में एक कार्यक्रम में शनिवार (29 नवंबर 2025) को कहा कि जब-जब जुल्म होगा, तब-तब जिहाद होगा। इस दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर भी विवादित टिप्पणी की। मदनी के इस बयान पर बीजेपी से लेकर कांग्रेस, शिवसेना और जेडीयू तक ने उनपर निशाना साधा। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने आरोप लगाया कि समाज में सांप्रदायिक दंगा भड़काने के उद्देश्य ये ऐसे बयान दिए गए। हमें इन सफेदपोश आतंक के सरगनाओं की साजिश से सावधान रहना होगा। ऐसे लोग न तो मानवता के हितैषी हैं, न देश के हितैषी हैं।

श्रीलंका में आई तबाही के बाद तमिलनाडु के चार जिलों में रेड अलर्ट

चक्रवाती तूफान 'दित्वा' से हवाई सेवाएं बाधित, कई जिलों में स्कूल-कॉलेज बंद

एजेंसी । चेन्नई

चक्रवाती तूफान दित्वा का श्रीलंका में कहर जारी है। 69 लोगों की मौत हो चुकी है। कई लापता हैं। बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवाती तूफान दित्वा ने तमिलनाडु के तटीय इलाकों में भी चिंता बढ़ा दी है। राज्य के चार जिलों—चेंगलपट्टू, विल्लुपुरम, कडलूर और मायिलाडुतुरई—में मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में रात से ही लगातार भारी वर्षा दर्ज की जा रही है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात वर्तमान में श्रीलंका के त्रिक्कूनमलई से करीब 80 किमी उत्तर-पश्चिम में सक्रिय है।

14 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

राज्य के कई जिलों में मौसम बिगड़ने की आशंका के बीच ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इनमें चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लुर, नागपट्टिनम, तंजावुर, पुदुक्कोट्टई, अरियालूर और तिरुवरूर सहित 14 जिले शामिल हैं।

54 उड़ाने रद्द, स्कूल-कॉलेज बंद

खराब मौसम के चलते चेन्नई एयरपोर्ट पर 54 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि तूतुकुड़ी में भी हवाई संचालन रोक दिया गया है। सुरक्षा को देखते हुए कई जिलों में स्कूलों और कुछ जगहों पर कॉलेजों में अवकाश की घोषणा की गई है। पुदुचेरी समेत कई इलाकों में विश्वविद्यालय परीक्षाएँ स्थगित कर दी गई हैं।

राज्य प्रशासन अलर्ट मोड पर

तामिलनाडु सरकार ने राहत और बचाव दलों को तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है, साथ ही निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

दिल्ली ब्लास्ट : विदेश में पढ़े डॉक्टरों की जानकारी तलब

पुलिस ने शहर के सभी निजी अस्पतालों को जारी की नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट की जांच नए मोड़ पर पहुंच गई है। दिल्ली पुलिस ने शहर के सभी निजी अस्पतालों को नोटिस जारी कर उन डॉक्टरों का विवरण तलब किया है जिन्होंने विदेश से एमबीबीएस की डिग्री ली है और फिलहाल राजधानी में प्रैक्टिस कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार यह कदम सुरक्षा कारणों से उठाया गया है। नोटिस में विशेष रूप से पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई और चीन से चिकित्सा शिक्षा हासिल करने वाले डॉक्टरों की जानकारी मांगी गई है। अस्पतालों से कहा गया है कि वे अपने यहां कार्यरत सभी विदेशी-प्रशिक्षित डॉक्टरों की पूरी जानकारी जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं।

पाकिस्तान, बांग्लादेश, यूएई और चीन पर विशेष फोकस

कई राज्यों में छापेमारी, बड़ा नेटवर्क निशाने पर

एनआईए ने बताया कि अब तक इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी उमर के छह अन्य सहयोगी पहले ही पकड़े जा चुके हैं। एजेंसी देश के कई राज्यों में ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है ताकि सुसाइड बॉम्बिंग मॉड्यूल से जुड़े सभी सबूत जुटाए जा सकें और पूरे नेटवर्क को उजागर किया जा सके। 10 नवंबर को हुए इस ब्लास्ट में कई लोगों की जान गई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। जांच एजेंसियां अब इस हमले के पीछे काम कर रहे पूरे आतंकी तंत्र को ध्वस्त करने पर फोकस कर रही हैं।राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुसार, दानिश ने कार बम विस्फोट से पहले ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए और रॉकेट तैयार करने की कोशिश की।

आत्मघाती हमलावर बनने की योजना नाकाम

एनआईए के मुताबिक, राजनीति विज्ञान में स्नातक दानिश को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए ब्रेनवॉश किया गया। अक्टूबर 2024 में दानिश को कुलगाम की एक मस्जिद में डॉक्टर मॉड्यूल से मिलवाया गया और उसके बाद हरियाणा के फरीदाबाद में अल-फलाह यूनिवर्सिटी में ठहराया गया। पूछताछ में दानिश ने खुलासा किया कि मॉड्यूल के अन्य सदस्य उसे जैश-ए-मोहम्मद के लिए ओवर-ग्राउंड वर्कर (OGW) बनाना चाहते थे। एनआईए ने बताया कि दानिश ने अप्रैल 2025 में आत्मघाती हमलावर बनने से इनकार कर दिया।

ECInet: बेहतरी को चुनाव आयोग ने मांगा सुझाव

एजेंसी । नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने सभी नागरिकों को ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड करने और ऐप पर 'सुझाव जमा करें' टैब का उपयोग करके ऐप को बेहतर बनाने के लिए सुझाव आमंत्रित किया है। यह 27 नवंबर से 27 दिसंबर के बीच किया जा सकता है। ईसीआईनेट ऐप के परीक्षण संस्करण का उपयोग बिहार विधानसभा चुनाव 2025 और हाल के उपचुनावों के दौरान किया गया था। इस नए मंच ने बेहतर मतदाता सेवाओं, मतदान प्रतिशत दर रुझानों की त्वरित उपलब्धता और मतदान समाप्त होने के 72 घंटों के भीतर अनुक्रमणिका कार्डों के प्रकाशन को भी सक्षम बनाया। मंच की कार्यक्षमता को और बढ़ाना के लिए बिहार चुनावों से

मिली सीख और सीईओ, डीईओ, ईआरओ, पर्यवेक्षकों और क्षेत्रीय अधिकारियों से प्राप्त प्रतिक्रिया को शामिल किया जा रहा है। उपयोगकर्ता के सुझावों की जांच की जाएगी और प्लेटफॉर्म को और अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के लिए इसे और अद्यतन किया जाएगा। ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म का आधिकारिक शुभारंभ जनवरी 2026 में करने की योजना है। मतदाताओं की सुविधा में सुधार और प्रौद्योगिकी के उपयोग से चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना इसका उद्देश्य है।

एमएमसी नक्सली समिति के 11 इनामी नक्सलियों का आत्मसमर्पण

एजेंसी । गोंदिया

महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ (एमएमसी) विशेष प्रादेशिक समिति के 11 कुख्यात इनामी नक्सलियों ने शुक्रवार को गोंदिया पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में आंदोलन के वरिष्ठ नेता और स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य अनंत उर्फ विकास नागपुरे उर्फ नवज्योत भी शामिल हैं। महाराष्ट्र सरकार ने कुल 89 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था, जिसमें अनंत पर अकेले 25 लाख रुपये का इनाम था। डीआईजी ने बताया कि यह आत्मसमर्पण समन्वित पुलिसिंग और नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए चलाए जा रहे पहुंच कार्यक्रम की सफलता को दर्शाता है।

आत्मसमर्पण की पृष्ठभूमि

एमएमसी समिति के प्रवक्ता अनंत ने 27 नवंबर को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि पूरी समिति 1 जनवरी 2026 तक सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण करेगी। हालांकि, शुक्रवार को 11 नक्सलियों ने समय से पहले आत्मसमर्पण कर दिया। पिछले एक वर्ष में सुरक्षा बलों की सक्रियता के चलते कई वरिष्ठ नक्सली नेता मारे गए हैं।

संगठन में एमएमसी समिति का महत्व

नक्सल संगठन में दंडकारण्य और एमएमसी समिति का विशेष महत्व रहा है। मिलिंद तेलतुंबडे के बाद इसका नेतृत्व केंद्रीय समिति सदस्य रामधेर के पास है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों ने यह शर्त भी रखी कि वे तीनों राज्यों—महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़—में से किसी एक मुख्यमंत्री के सामने हथियार छोड़ेंगे।

एनएचआरसी ने बस सुरक्षा पर राज्यों को भेजा नोटिस

ड्राइवर केबिन की 'सील्ड डिज़ाइन' बड़ा खतरा

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने देशभर में सार्वजनिक परिवहन बसों की असुरक्षित डिजाइन पर गंभीर चिंता जताते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को विस्तृत निर्देश भेजे हैं। आयोग ने कहा कि कई बसों में ड्राइवर केबिन को अलग-थलग बनाने की प्रवृत्ति यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा है और इसे जीवन के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का उल्लंघन माना जा सकता है। आयोग को मिली शिकायतों में कहा गया है कि कई निजी और स्लीपर बसों में ड्राइवर केबिन को पूरी तरह बंद कर दिया जाता है। इससे आपात स्थिति में न तो ड्राइवर यात्रियों को सचेत कर पाता है और न ही यात्रियों को समय रहते सुरक्षित निकास मिल पाता है। एनएचआरसी ने इसे यात्रियों की जान के लिए "गंभीर खतरा" बताया।

CIRT व परिवहन मंत्रालय से दो सप्ताह में रिपोर्ट तलब

बसों में आग लगने की हालिया घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए आयोग की पीठ — जिसकी अध्यक्षता सदस्य प्रियंक कानूनगो कर रहे हैं — ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 12 के तहत संज्ञान लिया है। साथ ही सड़क परिवहन मंत्रालय और केंद्रीय सड़क परिवहन संस्थान (CIRT), पुणे से दो सप्ताह के भीतर विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी है।

फिटनेस अधिकारी पर आरोप

CIRT ने ड्राइवर पार्टिशन हटाने, FDSS को अनिवार्य रूप से लागू करने, फायर एक्सटिंग्विशर की नियमित जांच और सभी अवैध बस बॉडी डिज़ाइनों पर तत्काल रोक लगाने की सिफारिश की है। एनएचआरसी ने कहा कि 14 अक्टूबर की बस आग की घटना "स्पष्ट रूप से नियमों की अनदेखी का परिणाम" थी। आयोग ने निर्माताओं, बॉडी बिल्डरों और फिटनेस सर्टिफिकेट जारी करने वाले अधिकारियों को "गंभीर लापरवाही का दोषी" बताया और इसे क्रिमिनल नेग्लिजेंस की श्रेणी में रखा।

सख्त निगरानी का निर्देश

आयोग ने सड़क परिवहन मंत्रालय से कहा है कि सभी राज्यों को बस सुरक्षा मानकों के पालन के लिए कड़ी एडवाइजरी जारी की जाए और उल्लंघन रोकने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर स्थायी निगरानी तंत्र बनाया जाए। आयोग ने राज्यों को दो सप्ताह में रिपोर्ट और जिम्मेदारों पर कार्रवाई का आदेश दिया है। इसके अलावा राज्यों को CIRT की सिफारिशें तत्काल लागू करने, दोषी निर्माताओं पर कार्रवाई, मुआवाजा और दो सप्ताह के भीतर विस्तृत एक्शन रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया है।

राऊज एवेन्यू कोर्ट ▶ नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस

16 दिसंबर को आएगा सोनिया गांधी और राहुल गांधी फैसला

एजेंसी । नई दिल्ली

राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में ईडी द्वारा दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने के मामले में निर्णय 16 दिसंबर तक स्थगित कर दिया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने यह आदेश शनिवार को सुनाया।

मामले की पृष्ठभूमि

ईडी ने 6 सितंबर को, सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से 4 जुलाई 2014 को दर्ज शिकायत और 30 जून 2021 के दस्तावेजों की प्रति कोर्ट में पेश की थी। एजेंसी ने दावा किया कि जिन लोगों ने कांग्रेस को दान दिया, उनके साथ धोखाधड़ी की गई और उन्हें कुछ मामलों में राजनीतिक टिकट भी दिए गए।

कोर्ट में कार्रवाई

कोर्ट ने 2 मई को सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य सात आरोपितों को नोटिस जारी किया था। ईडी ने 15 अप्रैल को इस मामले में अभियोजन शिकायत दाखिल की थी। आरोपितों में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सैम पित्रोदा शामिल हैं। ईडी ने मामले में मनी लांड्रिंग कानून की धारा 44 एवं 45 के तहत कार्रवाई की है।

अभियुक्तों के पक्ष की दलीलें

राहुल गांधी के वरिष्ठ वकील आरएस चीमा ने कहा कि कांग्रेस ने एजेएल (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) को बेचने की कोशिश नहीं की थी, बल्कि इसे बचाया ताकि स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत सुरक्षित रहे। उन्होंने यह भी कहा कि ईडी एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन पेश नहीं कर रही है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि संस्था की नीतियां कांग्रेस की अधीन होंगी। सोनिया गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने आरोप लगाया कि ईडी ने मामले को अत्यधिक जटिल और अप्रत्याशित रूप दिया।